विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

वार्षिक प्रतिवेदन

1987-88

1 जुलाई 1987 से 30 जून 1988 तक

प्रकाशक :

कुलसचिव, विक्रम विश्वविद्यालय

उज्जैन, मध्यप्रदेश

इकतीसवाँ
वार्षिक प्रतिवेदन
1987-88

NIEPA DC
D06007

-543
378.15506
VIK-V

110016
D-6007
Date 11-4-91

इकतीसवाँ

वार्षिक प्रतिवेदन

1987-88

(1 जुलाई, 1987 से 30 जून, 1988 तक)

प्रकाशक :

कुलसचिव

विक्रम विश्वविद्यालय

उज्जैन

मुद्रक :

विक्रम विश्वविद्यालय मुद्रणालय

उज्जैन

UNIVERSITY CREST

The Lions and the Rising Sun (which, together formed the crest of the great Vikramaditya) represent indomitable courage and the rising light of wisdom. The Book poised lightly on the petals of the lotus signifies the numerous branches of learning. The solhouette of the temple of Mahakaleshwara symbolises the sacred culture of the ancient city of Ujjain, the seat of the University.

The motto is "विद्ययाऽमृतमश्नुते".

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ क्रमांक
1	प्रारम्भिक	1
2	अधिकारीगण	1
3	संकायाध्यक्ष	2
4	कार्य-परिषद्	3
5	बैठकें	4
6	मान्यता	5
7	अवकाश	6
8	प्रवेश	6
9	पुस्तकालय	7
10	विद्यार्थी कल्याण	8
11	विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवम् मार्ग-दर्शन केन्द्र	9
12	राष्ट्रीय सेवा योजना	10
13	मुद्रणालय	21
14	प्रौढ़/सतत् शिक्षा एवम् विस्तार कार्यक्रम केन्द्र	22
15	सिन्धिया प्राच्य संस्थान	27
16	विकास योजनाएँ	28
17	शारीरिक शिक्षा एवम् खेलकूद	35
18	अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ	37
19	महाविद्यालय एवम् प्राध्ययन-केन्द्र	38
20	अनुसंधान	39
21	विश्वविद्यालय निर्माण विभाग	39

परिशिष्ट

1	वार्षिक आय-व्यय पत्रक वित्तीय वर्ष 1987-88 आय का सारांश	i
2	वार्षिक आय-व्यय पत्रक वित्तीय वर्ष 1987-88 व्यय का सारांश	iv
3	1987 की परीक्षाओं में स्वर्ण-पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची	ix

		पृष्ठ क्रमांक
4	1987 की परीक्षाओं में रजत-पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची	xiv
5	मार्च/अप्रैल 87-88 में आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के लिए पंजीयित परीक्षार्थियों का संख्या-पत्रक	xviii
6	अन्तरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के स्थान व परिणाम वर्ष 1987-88	xx
7	विभिन्न क्रीड़ा दलों की चयन समिति की सूची	xxiii
8	अन्तर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में भाग लेने बाबत जानकारी	xxvi
9	विक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न खेल दलों के प्रशिक्षण शिविर बाबत जानकारी वर्ष 1987-88	xxviii
10	अध्ययनशालाओं की जानकारी	xxix
11	सम्बद्ध महाविद्यालयों की जानकारी वर्ष 1987-88	xxxvi
12	वर्ष 1987-88 में पंजीयित शोधार्थियों की सूची	lvi
13	वर्ष 1987-88 में डी. लिट्. एवम् पीएच. डी. उपाधि प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की सूची	lxxiii

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

30 जून, 1988 को समाप्त होने वाले वर्ष का

वार्षिक प्रतिवेदन

प्रारम्भिक

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन विधान सभा के एक अधिनियम "मध्य-भारत" विक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम, 1957 के द्वारा 1 मार्च, 1957 से अस्तित्व में आया। अब यह विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश के अन्य विश्व-विद्यालय के भाँति मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 से शासित होता है। विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार 9 राजस्व जिलों तक फैला हुआ है। 71 महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। इसके अति-रिक्त विश्वविद्यालय के स्वयं के 16 प्राध्ययन केन्द्र हैं।

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

1 परमश्रेष्ठ राज्यपाल, मध्यप्रदेश, प्रो. के. एम. चाण्डी, प्रतिवेदनाधीन अवधि तक इस विश्वविद्यालय के पदेन कुलाधिपति के पद पर आसीन रहे।

2 डॉ. डी आर. शर्मा, कुलपति के पद पर आसीन रहे।

3 श्री दयाशंकर गार्गव 5 जुलाई, 1987 तक कार्यवाहक कुलसचिव के पद पर आसीन रहे। कुलाधिपति के आदेश से श्री जी. एस. गौतम ने दिनांक 6 जुलाई, 1987 से कुलसचिव पद पर कार्यग्रहण किया। वे प्रतिवेदनाधीन अवधि तक कुलसचिव के पद पर आसीन रहे।

4 डॉ. एच एस. सभरवाल, प्रतिवेदनाधीन वर्ष में संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण के पद पर आसीन रहे।

5 निम्नलिखित अधिकारीगण विश्वविद्यालय के विभिन्न अधि-कारिक पदों पर आसीन रहे:—

अनुक्र.	नाम	पद
1	डॉ. पी. के. भट्टाचार्य	संचालक, प्रौढ़ शिक्षा
2	डॉ. पी. पी. वशिष्ठ	कार्यक्रम, समन्वयक
3	श्री के. बी. जोशी	उपकुलसचिव (विकास)
4	श्री एस. एस. शितूत	उपकुलसचिव (परीक्षा)
5	श्री एन. के त्रिवेदी	पुस्तकाध्यक्ष
6	श्री जी. एस. सिसौदिया	निर्देशक, शारीरिक शिक्षा
7	श्री के. एन. शर्मा	वित्त-अधिकारी
8	श्री एन. के. छापरवाल	सहायक कुलसचिव (परीक्षा))
9	श्री जी. आर. उपाध्याय	सहायक कुलसचिव (विकास)
10	श्री ओ. पी. तिवारी	सहायक यंत्री
11	श्री मनोज कुमार तिवारी	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
12	श्री राकेश चौहान	सहायक कुलसचिव (लेखा/ सांख्यिकी)
13	श्री आर. पी. यादव	उपनियंत्रक, मुद्रणालय
14	कुमारी जाह्नवी संत	सहायक पुस्तकाध्यक्ष
15	डॉ. ए. एच. खान	स्वास्थ्य-अधिकारी
16	श्री एम. एस. टकसाली	सहायक कुलसचिव (लेखा) (दिनांक 29-2-88 तक)

6 कुलाधिपति के आदेश से श्री एम एस. टकसाली, सहायक कुलसचिव, 29-2-88 को अधिवार्षिकी आयु प्राप्त करने के कारण सेवा निवृत्त हुए ।

संकायाध्यक्ष

विश्वविद्यालय में नौ संकाय हैं, नामतः कला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, जीव विज्ञान, वाणिज्य, विधि, शिक्षा, यांत्रिकी एवम् आयुर्वेद । प्रतिवेदनाधीन वर्ष में निम्नलिखित व्यक्ति संकायाध्यक्ष रहे—

कला संकाय —

1 प्रो. एस. एन. रथ (दिनांक 6-4-88 तक)
आचार्य, संस्कृत अ.शा., वि. वि., उज्जैन ।

2 डॉ एस. एस पाठक (दिनांक 21-4-88 से)
आचार्य, हिन्दी अ. शा., वि. वि उज्जैन ।

सामाजिक विज्ञान—

1 डॉ. आर एम. गायल, (दिनांक 31-5-88 तक)
आचार्य, अर्थशास्त्र अ. शा, वि वि., उज्जैन ।

विज्ञान—

डॉ. एस. सी. भाण्ड, आचार्य, भौतिकी अ. शा.
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ।

जीव विज्ञान—

1 डॉ पी. एस. दुबे (दिनांक 6-4-88 तक)
आचार्य वनस्पति अ. शा. वि. वि., उज्जैन ।

2 डॉ बी पी. सिंह, (दिनांक 21-4-88 से)
आचार्य, वनस्पति अ. शा., वि. वि., उज्जैन ।

वाणिज्य—

डॉ एम. एल. कोठारी, आचार्य, व्यवसाय प्रबन्ध
विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ।

विधि

श्री ईश्वरलाल व्यास, प्राचार्य, नगरपालिका
विधि महाविद्यालय, रतलाम ।

यांत्रिकी

डॉ. एस. [redacted] मिश्राल, आचार्य, रसायन शास्त्र,
शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उज्जैन ।

शिक्षा —

श्री आर. सी. गुप्ता, आचार्य,
शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन ।

आयुर्वेद—

डॉ. मेवालाल ठगेले, आचार्य,
धनवन्तरि महाविद्यालय, उज्जैन ।

कार्य-परिषद्

मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय की अधिनियम की धारा 23 (1) के अधीन कार्य-परिषद् का गठन निम्नानुसार रहा—

धारा (1) (एक)

डॉ. डी. आर. शर्मा,
कुलपति—अध्यक्ष

धारा 23 (1) (दो)

1 डॉ. आर. एम. गोयल (31-5-88 तक)
2 श्री ईश्वरलाल व्यास
3 प्रो. श्रीनिवास रथ (दिनांक 6-4-88 तक)
4 डॉ. पी. एस. दुबे (दिनांक 6-4-88 तक)
5 डॉ. एस. सी. भाण्ड (दिनांक 25-4-88 से)
6 डॉ. एस. एच. मिशाल (दिनांक 25-4-88 से)

धारा 23 (1) (तीन)

1 श्री बमशंकर जोशी
2 श्री वीरेन्द्रसिंह सिसौदिया
3 श्री राजेश मेहता

धारा 23 (1) (चार)

1 डॉ. जी. एन. जौहरी
2 डॉ. एम. पी. वर्मा

धारा (1) (पांच)

1 श्री एस. वी. केलकर
2 श्री एस. एन. शर्मा
3 श्री आर. वी. रमनराव
4 डॉ. पी. के. देशमुख

धारा 23 (1) (छः)

1 सचिव, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल ।

धारा 23 (1) (सात)

1 सचिव, मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग, भोपाल ।

धारा 23 (1) (आठ)

1 श्री महावीर प्रसाद वशिष्ठ
2 श्री आर. एन. वाजपेयी

बैठकें

प्रतिवेदनान्तर्गत वर्ष में कार्य-परिषद् की निम्नांकित तिथियों में 10 बैठकें आयोजित की गई—

30-7-87, 31-8-87, 28-9-87, 31-10-87, 5-12-87, 2-1-88, 6-2-88, 28-3-88, 30-4-88, 26-5-88 ।

विश्वविद्यालय की सभा की बैठक दिनांक 30-4-88 को आयोजित की गई एवं विद्या-परिषद् की एक बैठक दिनांक 30-6-88 को सम्पन्न हुई।

मान्यता :

प्रतिवेदनान्तर्गत वर्ष 1987–88 में निम्नांकित विश्वविद्यालयों/मण्डलों/संस्थाओं की विभिन्न परीक्षाओं को मान्यता प्रदान की गई—

क्रमांक	विश्वविद्यालय/मण्डल/ संस्था का नाम तथा परीक्षा का नाम	इस विश्वविद्यालय की परीक्षा का नाम जिसके समकक्ष मान्यता प्रदान की गई
1	2	3
1	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	
	एम. एससी (रसायन, भौतिकी, प्राणिकी, गणित एवं सांख्यिकी)	एम. एससी (रसायन, भौतिकी वनस्पति, प्राणिकी, गणित सांख्यिकी
2	अन्नामलई विश्वविद्यालय, अन्नामलई	
	एम. एससी (वनस्पति)	एम. एससी. (वनस्पति)
3	न्यूयार्क, सेण्ट जोहन्स एण्ड हवाई, वि. वि. यू. एस. ए.	
	एम. बी. ए.	एम. कॉम. मैनेजमेंट
4	न्यूयार्क सेण्ट जोहन्स एण्ड हवाई, वि. वि., (यू. एस. ए.) और डी. बी. ए., वि. वि. कोलोराडो, (यू. एस. ए.)	
	डी. बी. ए.	पीएच. डी.
5	देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर	
	एम. बी. ए.	एम. कॉम. मैनेजमेंट
6	इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, बम्बई, नई दिल्ली, खड़गपुर, मद्रास, कानपुर	
	बी. ई. एवं एम. ई.	बी. ई. एवं एम. ई.
7	इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साईंस, बैंगलोर	
	बी. ई. एवं एम. ई.	बी. ई. एवं एम. ई.
8	रुरकी विश्वविद्यालय, रुरकी	
	बी. ई. एवं एम. ई.	बी. ई. एवं एम. ई.

क्रमांक	विश्वविद्यालय/मण्डल संस्था का नाम तथा परीक्षा का नाम	इस विश्वविद्यालय की परीक्षा का नाम जिसके समकक्ष मान्यता प्रदान की गई
1	2	3
9	साऊथ गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत बी. ई. एवं एम. ई.	बी. ई. एवं एम. ई.
10	म. प्र. तकनीकी शिक्षा मण्डल, भोपाल त्रिवर्षीय डिप्लोमा इन केमिकल, टेलीकम्युनिकेशन, इलेक्ट्रानिक्स	त्रिवर्षीय स्नातक भाग-1 के समकक्ष
11	दयालबाग एज्यूकेशन इंस्टीट्यूट, दयालबाग बी. एससी. एवं एम. एससी.	बी. एससी. एवं एम. एससी.
12	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर शास्त्री	एम. ए पूर्वाधि, संस्कृत में प्रवेश हेतु

अवकाश

शैक्षणिक वर्ष, 1987-88 हेतु विक्रम विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों/प्राध्ययन केन्द्रों में अवकाश की निम्नलिखित तिथियाँ घोषित की गई—

1	दीपावली अवकाश	11 अक्टूबर, 1987 से 25 अक्टूबर, 1987 तक
2	शीतकालीन अवकाश	25 दिसम्बर, 1987 से 31 दिसम्बर, 1987 तक
3	ग्रीष्मकालीन अवकाश	16 मई, 1988 से 15 जुलाई, 1988 तक

प्रवेश

सत्र 1987-88 के लिए विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं अध्ययनशालाओं में विद्यार्थियों के प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 1987 निर्धारित की गई थी। इसके अतिरिक्त अध्यादेश क्रमांक7 के चरण के अन्तर्गत विशेष रूप से 14 अगस्त तक प्राचार्यों को प्रवेश सम्बन्धी प्रकरणों पर निर्णय लेने हेतु कुलपतिजी द्वारा अधिकृत किया गया।

विश्वविद्यालय में महाविद्यालय एवम् अध्ययनशालाओं में प्रवेश राज्य शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रसारित मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुसार दिया जाता है। प्रवेश देते समय अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, रा. से. योजना के स्वयंसेवकों, विकलांगों आदि को आरक्षण का लाभ दिया जाता है।

पुस्तकालय

वर्ष 1987–88 में कुल 803 पुस्तकें क्रय की गई। क्रय की गई पुस्तकों के अतिरिक्त 190 पुस्तकें भेंट स्वरूप विभिन्न स्रोत से प्राप्त हुई हैं। इस प्रकार पर्यवेक्षणाधीन वर्ष में पुस्तकों की संख्या गत वर्ष की संख्या 1,19,654 से बढ़कर कुल 1,20,647 हो गई है। पत्र-पत्रिकाओं के चन्दे के सन्दर्भ में विदेशी पत्र-पत्रिकाओं को चन्दा सीधे मे. स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन, दिल्ली एवं भारतीय पत्र-पत्रिकाओं का चन्दा सीधे भारतीय प्रकाशकों को दिया गया है। इस प्रकार कुल 506 पत्र-पत्रिकाओं के चन्दे का भुगतान किया गया।

वर्ष 1987–88 की अवधि में पुस्तकों के आदान-प्रदान की संख्या 28937 रही। पुस्तकालय की सदस्यता विभिन्न वर्ग के पाठकों को मिलाकर कुल 2399 थी जिसका विवरण निम्नानुसार है—

शिक्षक	416
अध्यापकेतर कर्मचारी	279
विद्यार्थी	698
पब्लिक मेम्बर	180
शोधार्थी	263
कन्सलटेशन सदस्य	373
अन्य	190
	2399

अन्तर पुस्तकालयीन आदान-प्रदान सेवा के अन्तर्गत इस पुस्तकालय द्वारा अन्य विश्वविद्यालय पुस्तकालयों से तथा शैक्षणिक संस्थाओं से 22 पुस्तकें तथा शोध-ग्रन्थ उधार के रूप में मँगवाए गए तथा इस पुस्तकालय से अन्य विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं को 18 पुस्तकें एवं शोध ग्रन्थ उधार के रूप में भेजे गए।

अन्य विश्वविद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थाओं से यहाँ आकर पुस्तकालय में उपलब्ध साहित्य का उपयोग करने वाले पाठकों की संख्या 18 रही। पुस्तकालय में उपलब्ध शोध-प्रबन्धों में से 1651 शोध-प्रबन्धों का उपयोग भी पाठकों द्वारा किया गया।

विद्यार्थी कल्याण विभाग

विक्रम विश्वविद्यालय विद्यार्थी संघ के निर्वाचन की पद्धति में इस वर्ष आमूल परिवर्तन हुआ है। म. प्र. शासन के निर्णयानुसार छात्र संघ का अध्यादेश क्रमांक 1 व 2 निरस्त किया गया है तथा महाविद्यालय में मेरिट आधार पर नामांकित कर छात्रसंघों का गठन किया गया।

युवा-उत्सव—87

युवा-वर्ष के उपलक्ष में दिनांक 12 व 13 दिसम्बर, 87 को अन्तर-महाविद्यालयीन युवा-उत्सव सांस्कृतिक स्पर्धाओं के रूप में आयोजित किया गया। नौ विभिन्न महाविद्यालयों के विजयी विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें से श्रेष्ठता के आधार पर चुने हुए निम्नांकित विद्यार्थियों का दल राज्यस्तरीय युवा-उत्सव (इन्दौर) में सम्मिलित होने के लिये चुना गया—

1 एकल नृत्य— प्रथम कु. पल्लवी यादव (शा. कन्या महा., उज्जैन) जिला उज्जैन

2 समूह नृत्य— प्रथम (शा. कन्या महा., उज्जैन), जिला झाबुआ

3 समूह गान — प्रथम (शा. कन्या महा., उज्जैन), जिला उज्जैन

4 नाटक— प्रथम (शा. महा., नीमच), जिला मन्दसौर

5 चित्रकला— प्रथम श्री राजेश जोशी (कु. प. शा. महा. देवास), जिला देवास

6 रचनात्मक लेखन प्रथम कु. सुनीता जैन (शा. महा., अंजड़), जिला खरगौन

7 वादविवाद प्रथम श्री मुकेश जैन (पक्ष)
प्रथम कु अर्चना संबत्सर (विपक्ष) (शा. विधि महा., रतलाम), जिला रतलाम

8 परिचर्चा प्रथम श्री देवेन्द्र आप्टे (शा. महा., रतलाम), जिला रतलाम

9 पश्नमंच— प्रथम श्री शक्तिसिंह
प्रथम श्री विजय वर्मा (शा. महा., नीमच), जिला मन्दसौर

तामिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री रामचन्द्रन के देहावसान के कारण राज्यस्तरीय अन्तर्विश्वविद्यालयीन युवा-उत्सव, 87 इन्दौर में सम्पन्न नहीं हो सका।

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवम् मार्गदर्शन केन्द्र

मध्यप्रदेश शासन तथा विश्वविद्यालय के सहयोग से दिनांक 1-3-62 को स्थापित इस रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन केन्द्र का प्रमुख उद्देश्य विश्वविद्यालयीन छात्रों तथा रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को शिक्षा, प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति-अधिवृत्ति, रोजगार-स्वत: रोजगार विषयक सूचना तथा निर्देशन सहायता के साथ-साथ व्यवहार जगत की गतिविधियों से अवगत कराते हुए उपयुक्त व्यवसाय चयन तथा तैयारी प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करना है। इस केन्द्र में व्यावसायिक तथा प्रशासकीय स्तर के अभ्यर्थियों का पंजीयन किया जाता है, जिन्होंने या तो प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की हो या कोई व्यावसायिक स्नातक उपाधि पाई हो। समय-समय पर नियोजकों द्वारा अधिसूचित रिक्त पदों के सन्दर्भ में पंजीयत अभ्यर्थियों का नियमानुसार प्रस्तुतीकरण भी किया जाता है।

दिनांक 1-7-87 से 30-6-88 की अवधि में इस केन्द्र में 285 अभ्यर्थियों का पंजीयन किया गया। 30-6-88 को केन्द्र की जीवित पंजी पर कुल 945 उम्मीदवार उपलब्ध रहे जिसमें 187 महिलाएँ भी सम्मिलित थीं। 161 अभ्यर्थियों को रिक्त पदों की मांग के सन्दर्भ में प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदनीय अवधि में कुल 24 रिक्त स्थानों की अधिसूचनाएँ प्राप्त हुई थीं।

आलोच्य अवधि में 149 अभ्यर्थियों को पंजीयन करते समय व्यावसायिक मार्गदर्शन दिया गया। इस केन्द्र में 14 समूह परिचर्चाएँ आयोजित की गई, जिसमें अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रकार के अवसरों, प्रशिक्षण सुविधाओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी गई। 678 को व्यक्तिगत सूचना दी गई। 910 अभ्यर्थियों ने केन्द्र के व्यावसायिक सूचना कक्ष में भेंट देकर प्रदर्शित जानकारियों का लाभ उठाया। सूचना-कक्ष में पर्याप्त मात्रा में केरियर साहित्य प्रदर्शित किया जाता है।

रोजगार अधिकारी द्वारा आलोच्य अवधि में नियोजकों तथा शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यों से कुल 92 सम्पर्क स्थापित किये गये।

5 महाविद्यालयों तथा अध्ययनशालाओं में 'अपना व्यवसाय चुनिये', 'अपने मालिक स्वयं बनें' तथा 'प्रतियोगिता परीक्षाओं के माध्यम से केरियर' आदि विभिन्न विषयों पर व्यावसायिक मार्गदर्शन वार्ताएँ दी गई और केरियर साहित्य का वितरण भी किया गया।

केन्द्र द्वारा आलोच्य अवधि में 12 मासिक बुलेटिन प्रकाशित किये गये, जिनमें रोजगार के अवसरों, शिक्षण-प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति, शिष्यवृत्ति, प्रवेश, परीक्षा तथा अन्य उपयोगी जानकारियों का समावेश किया गया ।। इस केन्द्र द्वारा प्रकाशित माह जनवरी, 1988 के मासिक बुलेटिन की संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण, मध्यप्रदेश जबलपुर द्वारा सराहना की गई थी ।

राष्ट्रीय सेवा योजना

इस वर्ष राज्य शासन द्वारा रासेयो छात्र संख्या 5400 से बढ़ाकर 6200 कर दी गई है । रासेयो युक्त महाविद्यालयों की संख्या 43 से बढ़कर 47 हो गई है एवम् इकाई संख्या 58 से बढ़कर 65 हो गई है । महाविद्यालयों द्वारा आवण्टित छात्र संख्या के विरुद्ध 6443 छात्र-छात्राओं का पंजीयन किया गया है ।

दीर्घकालीन शिविर

ग्रीष्मावकाश में ग्राम मावता, जिला रतलाम में दिनांक 15 मई से 14 जून, 1987 तक विश्वविद्यालय स्तरीय अन्तर महाविद्यालयीन ग्रामीण विकास एवं जन-जागरण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें इस विश्वविद्यालय क्षेत्र के 12 रासेयोयुक्त महाविद्यालयों के 41 छात्रों, 10 गैर छात्रों एवं 12 अधिकारियों ने भाग लिया । इस शिविर में विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य किया गया, जिसमें मुख्यतः पेयजल समस्या का निदान, कुओं की सफाई, अतिक्रमण हटाकर ग्रामीण मार्ग चौड़े करना लोक अदालत का आयोजन, प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम, पर्यावरण सुधार एवं गन्दगी एवं बीमारी उन्मूलन कार्यक्रमों का आयोजन इस शिविर की मुख्य उपलब्धि यह युवा जोड़ों की गलतफहमी दूर करना पारिवारिक मतभेदों से अलग रह रहे युवा जोड़ो की गलतफहमी दूर की गई एवम् उनकी पत्नियों ने "आजाद रजिस्ट्री" करा ली । इस प्रकार की रजिस्ट्री का कानून में कोई प्रावधान नही था । रासेयो छात्रों ने लोगों की गलतफहमी दूर कर पुनः मिलाया, इसमें ग्राम रणायरा में दो जोड़ों को, ग्राम मावता में दो जोड़ों को मिलाकर शिविरार्थियों ने सौहार्दपूर्ण कार्य किया ।

वृक्षारोपण शिविर

इस वर्ष माह अगस्त व सितम्बर में वृक्षारोपण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 28 महाविद्यालयों के 1262 छात्रों, 223 छात्राओं एवं 113 शिक्षकों इस प्रकार कुल 1603 शिविरार्थियों ने सम्मिलित

होकर 29137 पौधों का रोपण किया एवं गड्ढे खोदे, पूर्व रोपित पौधों की निराई, गुड़ाई व सिंचाई की। शा. महाविद्यालय, रामपुरा को पिछले वर्ष वृक्षारोपण हेतु जिलाधीश द्वारा पदक प्रदान किया गया था। इस वर्ष इस महाविद्यालय के छात्रों द्वारा पूर्व में रोपित पौधों से वन विभाग द्वारा करीब 40,000/- रुपये की वनोषधि बेची गई। शा. महाविद्यालय, देवास को छात्रवन हेतु जिलाधीश द्वारा 2.5 हेक्टेयर भूमि ग्राम जेतपुरा में प्रदान की एवम् उसकी फेंसिंग हेतु रुपये 12,000/- का अनुदान स्वीकृत किया। स्थानीय रासेयोयुक्त महाविद्यालय के छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में 980 पौधों का रोपण किया एवं समय-समय पर इन पौधों की उचित देखभाल एवं निराई-गुड़ाई आदि कार्य किया।

वृक्षगंगा सायकल रैली

इस वर्ष माह सितम्बर में 27 रासेयोयुक्त महाविद्यालयों द्वारा वृक्षगंगा सायकल रैली का आयोजन किया गया, जिसमें 1267 छात्रों, 127 छात्राओं, 29 गैर छात्रों, 57 प्राध्यापकों इस प्रकार कुल 1479 शिविरार्थियों ने भाग लेकर 10,453 पौधे रोपित किये। नगर में रैलियाँ निकाली एवं ग्रामीणों को वृक्षों के महत्त्व व प्रदूषण के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।

दस दिवसीय विशेष शिविर

माह अक्टूबर एवं दिसम्बर में 40 रासेयोयुक्त महाविद्यालयों द्वारा दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 1872 शिविरार्थियों ने भाग लेकर ग्रामीण पुनरुत्थान के कार्य किये, महाविद्यालयों द्वारा अर्जित मुख्य उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं—

1 *शासकीय महाविद्यालय, भाबुआ*

ग्राम बाघलाघाट में आयोजित शिविर में छात्रों द्वारा पशुओं के पेय-जल हेतु दो बड़े नालों पर स्टाप डेम बनाये गये। 2 कि. मी. लम्बी सड़क को सुधारा गया। आवासहीनों के लिये चार आवासकुटीर बनाने में श्रमदान किया। सामुदायिक भवन की नींव भी खोदी गई। प्राथमिक शाला जिसमें 113 विद्यार्थी पढ़ते थे का जीर्णोद्धार किया। तीन ग्रामों के 119 परिवारों का सर्वेक्षण किया। 62 रोगियों और 18 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयाँ वितरित की गई। आदिवासी घरों के लिये एक बत्ती कनेक्शन की स्वीकृति प्राप्त की। इस ग्राम के ग्रामीणों ने जीवन में प्रथम बार फिल्म देखी। सोमला बिला भीला नाम का ग्रामीण 6 माह से बीमार था एवं इंजेक्शन से घबरा रहा था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

2 *शासकीय महाविद्यालय, धार*

रासेयो छात्रों द्वारा ग्राम तिरला में निचली बस्ती प्रेमनगर में गाजर घास, गोखरू आदि कांटेदार वृक्षों की साफ-सफाई की गई। लगभग 1 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की एक हजार फीट लम्बे व 15 फीट चौड़े मार्ग का निर्माण किया गया साथ-ही मार्ग के दोनों ओर डेढ़ फीट चौड़ी व दो फीट गहरी नाली की खुदाई की गई। 50 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

3 *शासकीय महाविद्यालय, शुजालपुर*

छात्रों द्वारा ग्राम हडलाय खुर्द में 2 फीट चौड़ी, डेढ़ फीट गहरी 1 लम्बी नाली का निर्माण कर करीब 9504 घनफीट मिट्टी खोदी। 112 परिवारों का आर्थिक सर्वेक्षण किया गया। दो कम्पोस्ट खाद के गड्ढों का निर्माण किया।

4 *शासकीय महाविद्यालय, नीमच*

इस इकाई द्वारा ग्राम बरखेड़ा में तालाब के 40 फीट लम्बे 5 फीट चौड़े तथा 4 फीट ऊँचे टूटे हिस्से का पुनः निर्माण किया गया। स्कूली छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण व खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ग्राम का सामाजिक, आर्थिक सर्वेक्षण किया गया।

5 *शासकीय महाविद्यालय, सोनकच्छ*

ग्राम इकलेरा माताजी में ग्राम को तीन तरफ से नालों ने घेर रखा है व ग्राम ऊँचे टिकड़े पर बसा है अतः ग्राम के एक ओर 565 फीट लम्बी व 12 फीट चौड़ी एवं 1 फीट ऊँची डब्ल्यू. बी. एम. सड़क का निर्माण किया। 75 फीट लम्बी 5 फीट चौड़ी गली का पत्थर, बोल्डर व मुरम डालकर निर्माण किया गया। ग्राम में अतिक्रमण हटाकर सड़क को चौड़ा किया। 27 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया व तीन सर्वाधिक स्वस्थ्य को स्टील बर्तन पुरस्कार स्वरूप वितरित किए। 90 व्यक्तियों को परिवार कल्याण आपरेशन हेतु तैयार किया। हैण्डपम्प के आसपास 10 × 10 फीट जगह में दलदल का भराव कर पक्की पट्टी व नाली का निर्माण किया।

6 *शासकीय महाविद्यालय, खरगोन*

छात्रों द्वारा ग्राम भगवानपुरा में दो नालों पर कच्चे स्टाप डेम का निर्माण किया। इस कार्य में उन्होंने 2027 घनफीट मिट्टी खोद कर डेम

स्थल पर डाली ($17 \times 1\frac{1}{2} \times 1\frac{1}{2}$ मीटर व $11 \times 1\frac{1}{2} \times 1$ मीटर का) विद्यालय मैदान के किनारे $1\frac{1}{2} \times 2$ फीट की 130 मीटर लम्बी नाली का निर्माण किया व खेल मैदान का समतलीकरण किया। देजला–देवड़ा बांध परियोजना की ओर से उल्लेखनीय कार्यों के कारण शिविरार्थियों को स्थाई शील्ड की घोषणा की जो 26 जनवरी, 1988 को माननीय मंत्री श्री भारतसिंह ने प्राचार्य महोदय को प्रदान की। इस शिविर में दो सोखता गड्ढों का निर्माण किया। 750 पौधों को रोपित किया। 25 निराश्रितों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिलाई। 22 आदिवासी परिवारों को आय. आर. डी. पी. के अन्तर्गत बैल जोड़ी व भैंसे दिलाई। 8 किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध करवाया। छात्र श्री सुरेश शर्मा द्वारा छात्रों को 10 योगासनों का प्रशिक्षण दिया गया।

7 *शासकीय महाविद्यालय, बड़नगर*

ग्राम धोतरू में 5400 घनफीट मिट्टी डालकर 150 फीट लम्बी सड़क का निर्माण किया। ग्राम से कुछ दूरी पर बिखरी एवं गड़ी हुई मूर्तियां एकत्रित की जो की करीब 800 से 1000 वर्ष तक पुरानी पाई गई। प्राप्त मूर्तियों के आधार पर ग्राम की खुदाई की गई जिसमें प्राप्त अवशेषों से पता चला कि यह ग्राम करीब 2500 वर्ष पुराना है।

8 *शासकीय महाविद्यालय, मण्डलेश्वर*

ग्राम सोमाखेड़ी में आयोजित शिविर में 1900 फीट नालियों की सफाई की गई। नाली निर्माण तथा ग्राम सफाई का कार्य किया। 300 मीटर लम्बी व 5 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया। 500 गड्ढे खोद कर पौधे रोपें। आई. आर. डी. पी. में 9 हितग्राहियों को रु. 32,000/– के ऋण स्वीकृत कराये। 12 हरिजन आदिवासियों को एक बत्ती कनेक्शन स्वीकृत कराये।

9 *शासकीय महाविद्यालय, देवास*

ग्राम जैतपुरा में छात्रवन विकसित करने हेतु प्राप्त भूखण्ड पर आस-पास 1500 फीट लम्बी $2\frac{1}{2}$ फीट चौड़ी व $2\frac{1}{2}$ फीट गहरी नालियों का निर्माण किया। 20 फीट लम्बी दो नालियों का निर्माण किया। मादक द्रव्य सेवक सर्वे, व्यावसायिक सर्वे, परिवार सर्वे, कल्याण सर्वे, भूमिहीन लोगों का सर्वे, सामाजिक बानकी सर्वे आदि कार्य किये। 200 निर्धूम चूल्हे गरीब ग्रामीणों के घर लगाये गये।

10 *शासकीय कन्या महाविद्यालय, रतलाम*

ग्राम मेजावता में 200 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाई वितरित की गई। 235 बच्चों को बी. सी. जी. के टीके लगाये, 18 बच्चों को पोलियो का प्रथम डोज दिया गया। 29 मलेरिया के रोगियों की रक्त पट्टिकायें तैयार कर दवाईयाँ दी गई। 8×8×5 के 6 सोखता गड्ढों का निर्माण किया। परिवार कल्याण कार्यक्रम की लक्ष्यपूर्ति हेतु प्रशासन तथा जिला चिकित्सालय, रतलाम की ओर से रुपये 20,000–00 ग्राम पंचायत को पुरस्कार की घोषणा की व प्रशासन द्वारा अन्य रुपये 20,000–00 की राशि स्वीकृत कर रुपये 40,000–00 की राशि से ग्राम में नालियों व खरंजा निर्माण हेतु स्वीकृत किये गये। दो निर्धन विकलांगों को प्रशासन की ओर से ट्राईसिकल प्रदान की गई।

11 *शासकीय महाविद्यालय, नरसिंहगढ़*

ग्राम आन्दनहेड़ा में 2 कि. मी. लम्बी व 15 फीट चौड़ी कच्ची सड़क बनाई। स्कूल में खेल मैदान का निर्माण किया। पौधों की सिंचाई की गई। हैण्डपम्प व कुओं के आसपास की सफाई की। आई. आर डी. पी. व सामाजिक सुरक्षा पेंशन की जानकारी दी गई।

12 *शासकीय महाविद्यालय, जावरा*

छात्रों द्वारा ग्राम रणायरा में 1½ कि. मी. लम्बी व 20 फीट चौड़ी सड़क पर अर्थवर्क किया गया। 2 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र प्रतिदिन चलाये, जिसमें 15 व 12 प्रौढ़ों को पढ़ाया गया। हैण्डपम्प पर 70 फीट लम्बी नालियाँ बनाई। स्कूल प्रांगण में 15 वृक्षों का रोपण किया व 7 वृक्षों की फैंसिंग की। 70 फीट लम्बा व तीस फीट चौड़ा व्हालीवाल्ल मैदान बनाया। लोक अदालत द्वारा तीन दम्पत्तियों के झगड़े निपटाये गये। पंचायत भवन के पास मूत्रालय का निर्माण किया गया। कम्पोस्ट खाद के 3 गड्ढों का निर्माण किया गया।

13 *शासकीय महाविद्यालय, खाचरौद*

छात्रों द्वारा ग्राम आवया जागीर में दो कि. मी. लम्बे मार्ग का चौड़ीकरण कर मुरत बिछाकर समतल किया गया। ग्राम का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण किया गया। छः हैण्डपम्प के आसपास भराव व नाली निर्माण किया गया।

14 *शासकीय वाणिज्य महाविद्यालय, रतलाम*

ग्राम मऊ में 20 × 20 × 4 फीट का एक मंच बनाया गया। एक पुलिया का पुनः निर्माण किया गया। 40 पौधे रोपित किये गये। पाठशाला के मैदान पर 400 घनफीट मिट्टी खोद कर खेल मैदान बनाया गया।

15 *शासकीय महाविद्यालय, रामपुरा*

ग्राम अमरपुरा में तलाई के टूटे हुए 7500 घनफीट के हिस्से पर नीव खोदकर 259.3 घनमीटर पाल बनाई जो कि एक असम्भव कार्य लगता था। प्राथमिक शाला के सामने 175 × 4 मीटर सड़क का निर्माण किया गया। एक कम्पोस्ट खाद का गड्ढा 10 × 5 × 2½ फीट का बनाया। एक सोख्ता गड्ढा 3 × 5 × 4 फीट हेण्ड पम्प के पास बनाया।

16 *शासकीय पौलीटेकनिक, जावरा*

ग्राम बडायला (सरवन) में 900 फीट लम्बी व 20 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण किया। 400 फीट लम्बी, 1 फीट चौड़ी व 1 फीट गहरी नाली का निर्माण किया। खाद के गड्ढे का निर्माण किया। एक प्रकरण लोक अदालत के माध्यम से निपटाया। 12 अल्प बचत खाते खुलवाये। 10 गरीब छात्र छात्राओं को स्लेट का वितरण किया। 28 रोगियों का परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क दवाई दी।

17 *शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रतलाम*

इस इकाई के छात्रों ने ग्राम ईसरथुनी में तिस्तारी तालाब को गहरा एवं चौड़ा करने के लिये 2700 घनफीट मिट्टी खोदकर तालाब के पाल पर डाली गई। इस कार्य से प्रसन्न होकर सरपंच श्री रावसिंह ने शिविरार्थियों को एक-एक ग्लास एवं स्टील प्लेट से पुरस्कृत किया।

18 *शासकीय महाविद्यालय, जोबट*

रासेयो छात्रों ने इस शिविर में छात्रावास को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिये 3036 घनफीट बोल्डर मुरम का भराव किया। आदिवासी छात्रों को खेलने के लिये मैदान बनाया। इस कार्य में 24190 घनफीट बोल्डर एवं मुरम का भराव किया गया।

19 *शासकीय महाविद्यालय, मनावर*

ग्राम बड़दा मे दस दिवसीय शिविर के दौरान एक महत्त्वपूर्ण मार्ग पर अतिक्रमण हटाकर चौड़ा किया जाना था। प्रभावशाली ग्रामीण

इंदरसिंह के कारण पंचायत यह कार्य वर्षों से नहीं करा पा रही थी। छात्रों ने आपसी चर्चाओं से अतिक्रमण हटाकर 20 फीट × 6000 फीट चौड़ी सड़क पर करीब 10,000 घनफीट मिट्टी का भराव किया गया।

20 *शासकीय महाविद्यालय, मेघवा*

ग्राम धवली में आयोजित दस दिवसीय शिविर में नेत्र शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 12 व्यक्तियों की शल्य चिकित्सा की गई॥ रोगी एवम् उसके साथी के 13-10-87 से 18-10-87 तक निःशुल्क भोजन, दवाईयां प्रदान की गई एवं सभी रोगियों को चश्में प्रदान किये गये॥ 98 व्यक्तियों का नेत्र परीक्षण किया गया।

नियमित गतिविधियां

1 **माधव महाविद्यालय, उज्जैन**

सघन साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 35 रासेयो छात्रों ने 35 व्यक्तियों को साक्षर बनाया। दिशा-निर्देशन कार्यक्रम। ग्राम दताना-मताना में रासेयो छात्रों द्वारा ग्राम सम्पर्क, बाल दिवस का आयोजन, हामूखेड़ी कुष्ठधाम में श्रमदान एवं नगर रैली, नेत्रदान हेतु छात्रों से सम्पर्क तथा 73 घोषणा-पत्र भरवाये गये। युवा-सप्ताह का आयोजना, शहीद-दिवस पर श्रद्धांजलि एवं महाविद्यालय परिसर में श्रमदान, विश्व-विद्यालय के नवीन भवन में रासेयो छात्रों द्वारा रोपित पौधों को पानी पिलाना एवं संरक्षण आदि कार्य किये गये।

2 **माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन**

25 छात्रों में 30 व्यक्तियों को साक्षर बनाया। महाविद्यालय प्रांगण की सफाई, विवेकानन्द वाटिका का रख-रखाव, अपंग सेवाश्रम की सफाई, बगीचे की सफाई, शहर के जिला चिकित्सालय में मरीजों की सेवा के लिए सप्ताह में तीन दिन छात्र जाते एवं मरीजों की सेवा करते रहे। शहर की पिछड़ी बस्ती क्षेत्र दगदमा एवम् आस-पास के क्षेत्रों का सर्वे कार्य। नेत्र शिविरों में छात्रों द्वारा योगदान, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान समारोह का आयोजन एवं सर्वेक्षण के कार्य किये गये।

3 **शासकीय कन्या महाविद्यालय, उज्जैन**

माह नवम्बर में एक व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर 5 रासेयो छात्राओं ने रक्त परीक्षण करवाकर एवं छात्रा ने रक्तदान किया। 93 छात्राओं ने रेडक्रास के सहयोग से 'परिचारिका' प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गन्दी बस्तियों की सफाई, महाविद्यालय प्रांगण की समय-समय पर सफाई की गयी। महिला/सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम। महाविद्यालय की सजावट का कार्य रासेयो छात्राओं के सहयोग से किया गया। युवा-सप्ताह एवं रासेयो-दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

4 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उज्जैन

इकाई द्वारा अन्धे व्यक्तियों की सहायतार्थ 110 रुपये एकत्रित किये गये। छात्र-छात्राओं से नेत्रदान के घोषणा-पत्र भरवाये गये। गणतंत्र दिवस परेड के लिए रासेयो छात्र श्री अजय कीर्ति जैन का चयन किया गया। गोद लिये ग्राम रलायता भोजा में स्वास्थ्य सुविधा एवं जन-समस्याओं के निराकरण के लिए उपाय किये गये। महाविद्यालय परिसर में वनौषधि उद्यान का विकास एवं स्वतंत्रता की 40वीं वर्षगाँठ पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

5 शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन

युवा-सप्ताह तथा रासेयो दिवस का आयोजन किया गया। इसमें श्रमदान के महत्त्व पर चर्चा एवं क्लासरूम सफाई प्रतियोगिता का कक्षावार आयोजन किया गया। सत्रारम्भ में रासेयो छात्राओं को दिशा-निर्देश, महाविद्यालय में क्राफ्ट प्रदर्शनी एवं स्वनिर्मित खाद्य-सामग्री के स्टॉल का आयोजन छात्राओं के मेले के रूप में किया गया।

6 शासकीय महाविद्यालय, बड़नगर

महाविद्यालय प्रांगण की साफ-सफाई का कार्य किया गया। रासेयो छात्रों को रासेयो के उद्देश्य एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी। जवाहर लाल नेहरू की जयन्ती के अवसर पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जैन समाज के द्वारा निःशुल्क नेत्र-शिविर में रासेयो छात्रों का सहयोग। स्नेह-सम्मेलन का आयोजन आदि कार्य किये गये।

7 शासकीय महाविद्यालय, खरगोन

रासेयो छात्रों द्वारा दृष्टिहीन ध्वज-दिवस पर अन्धों की सहायता। नगर में भ्रमण कर नागरिकों से 265 रुपये एकत्रित कर नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइण्ड, म. प्र. शाखा, इन्दौर को भेजे गये। साक्षरता कार्यक्रम में 120 प्रौढ़ों को रासेयो छात्रों ने साक्षर बनाया। दिसम्बर '87 में झुग्गी-झोपड़ी में लगी आग को छात्रों ने स्वप्रेरणा से बुझाया तथा लोगों की जान-माल की रक्षा कर उल्लेखनीय कार्य किया। इस हेतु गणतंत्र-दिवस पर उद्योग मंत्री ने छात्रों को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया।

8 **शासकीय कन्या महाविद्यालय, खरगोन**

नगर से दूर नन्दनवन में 80 छात्राओं ने वृक्षारोपण आयोजित कर 170 पौधे लगाये। लायन्स क्लब के सौजन्य से आयोजित नेत्र शिविर में 45 छात्रों ने सहयोग प्रदान किया।

9 **शासकीय महाविद्यालय, बड़वानी**

41 छात्र-छात्राओं ने कार्यात्मक साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत 50 प्रौढ़ों को पढ़ाया। पर्यावरण सुधार हेतु छात्रों ने चिकित्सालय प्रांगण में रोपित छायवन में श्रमदान कर पौधों को सिंचत किया। महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण तथा महाविद्यालय की टूटी दीवारों के समीप ट्रंच खुदाई की गयी। एक नये बगीचे का निर्माण कार्य हाथ में लिया। कमरों में लिखे अश्लील शब्दों की सफाई की। स्वतंत्रता की 40वीं वर्षगांठ पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

10 **शासकीय महाविद्यालय, सेंधवा**

सेंधवा में स्थित करुणा अस्पताल से बाम्बे-आगरा मार्ग तक 760 फीट लम्बे व 9×6 चौड़े मार्ग में नगरपालिका के सहयोग से प्राप्त ट्रैक्टर-ट्राली द्वारा खुदायी कर मौरम बिछायी गयी। 15 छात्रों ने आवश्यकता पड़ने पर रक्तदान किया।

11 **शासकीय महाविद्यालय, रतलाम**

छात्रों को दिशा-निर्देश किया गया। वृक्षारोपण किया गया। 20 टाट-पट्टियों का निर्माण कर प्राथमिक विद्यालयों को प्रदान की गयीं। महाविद्यालय के उपयोग हेतु रासेयो छात्रों ने 125 डस्टरों का निर्माण स्वयं किया। यह प्रदेश के लिए एक अनोखी योजना है। महाविद्यालय परिसर में एक किवटल के करीब अमरबेल एवं गाजर-घास काटी गयी।

12 **शासकीय महाविद्यालय, जावरा**

लायन्स क्लब द्वारा आयोजित नेत्र-शिविर में 30 छात्रों ने 10 दिन तक लगातार सहयोग किया। ग्राम तराइयां सरवन में छात्रों ने 6 दिन तक ग्रामीणों के सहयोग से एक खेल-मैदान का निर्माण किया। रासेयो छात्रों ने सूखा-राहत के अन्तर्गत 400 रुपये एकत्रित किये। रासेयो अधिकारी श्री पालीवाल ने नैरोबी में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रासेयो सामुदायिक शिक्षा' पर लेख पढ़ा।

13 शासकीय पोलीटेकनिक, जावरा

संस्था प्रांगण में वृक्षारोपण के लिए 40 गड्ढे खोदे गये। वृक्षारोपण करके पौधों में काली मिट्टी डालकर उनके संरक्षण हेतु आसपास कटीली झाड़ियाँ लगायी गयीं। खेल-मैदान की सफाई एवं समतलीकरण किया गया। कौमी-एकता सप्ताह का आयोजन किया गया। लायन्स क्लब के तत्वावधान में लगाये गये नेत्र-शिविर में 5 छात्रों ने 7 दिन तक लगातार सेवा की। 25 छात्रों ने ब्लड ग्रुपिंग करवाया एवम् एक छात्र ने 200 सी. सी. रक्तदान किया।

14 शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर

65 छात्रों द्वारा साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया गया। रासेयो छात्रों का रासेयो का प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश। महाविद्यालय प्रांगण की सफाई एवम् उद्यान के विकास में सहयोग। सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बनाया गया स्टेज ठीक किया गया। स्नेह-सम्मेलन में रासेयो छात्रों द्वारा भोजन-व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया गया।

15 शासकीय महाविद्यालय, रामपुरा

सत्र के प्रारम्भ में रासेयो छात्रों का पूर्वाभिमुखीकरण, हस्तलिखित एन. एस. एस. समाचार का प्रकाशन, वनस्पति उद्यान में सफाई कार्य एवं वृक्षारोपण, महाविद्यालय प्रांगण में उद्यान का विकास, सप्ताह में दो बार रासेयो छात्रों द्वारा श्रमदान। लायन्स क्लब रामपुरा द्वारा आयोजित नेत्र-शिविर में रासेयो छात्रों द्वारा सहयोग दिया गया। बुक-बैंक का संचालन तथा अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता-दिवस पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

16 हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय, भानपुरा

कपड़ा व्यापारी संघ द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र-शिविर में 27 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर 300 मरीजों का नेत्र-परीक्षण करवाया। सत्रारम्भ में छात्रों को दिशा-निर्देश देकर पौधारोपण की विधि समझायी गयी। स्थानीय मिडिल स्कूल में 100 पौधों का रोपण कर क्यारियाँ बनायी एवं पानी पिलाया। नीमथरा, धनकपुरा और रतनपुरा के ग्रामवासियों को वृक्षारोपण का प्रचार-प्रसार एवं पौधों का वितरण किया गया। रेवनी के राजघाट पर छात्रों ने सफाई की एवं स्वतन्त्रता की 40वीं वर्षगाँठ पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

17 शासकीय महाविद्यालय, शाजापुर

महाविद्यालय प्रांगण में वन विभाग के सहयोग से 20 पौधे रोपित किये गये। पुराने पौधो का रख-रखाव एवं सुरक्षा के लिए 5 ट्री गार्ड निर्मित किये गये। दिशा-निर्देश एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें रासेयो के उद्देश्य, संगठन एवं गतिविधियों तथा शासन की विधि विकास की योजनाओं सम्बन्धी जानकारी रासेयो छात्रों को दी गयी। महाविद्यालय के विशाल प्रांगण में स्थित सायकल-स्टैण्ड प्रक्षेत्र की साफ-सफाई की गयी। रासेयो की वार्षिक पत्रिका 'अभियान' के सप्तम अंक का प्रकाशन रासेयो सेल के सहयोग से किया गया।

18 शासकीय महाविद्यालय, गुजालपुर

वृक्षारोपण के लिए दिशा-निर्देश दिया गया। 35 छात्रों ने साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया एवं प्रौढ़ों को साक्षर बनाया। ग्राम सम्पर्क के माध्यम से ग्रामों में अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया। महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं मैदान की सफाई की गयी। 50 छात्रों द्वारा हरिजन मोहल्ले में सफाई अभियान, नशाबन्दी आदि विषयों पर हरिजन भाइयों से चर्चा की गयी एवं ग्राम कमाडिया में चूहा-नियन्त्रण कार्यक्रम सम्पन्न किया। कमजोर छात्रों को रासेयो छात्रों द्वारा पढ़ाई में मदद की गयी।

19 शासकीय महाविद्यालय, धार

70 छात्र-छात्राओं ने सघन साक्षरता कार्य में 125 प्रौढ़ों को साक्षर बनाया। स्थानीय देवी मेले में रासेयो छात्रों ने जल-सेवा एवं वालेन्टीयर का कार्य किया। सत्रारम्भ में रासेयो में छात्रों को प्रवेश, वरिष्ठ छात्रों द्वारा दिशा-निर्देश, महाविद्यालय प्रांगण की साफ-सफाई, जन-विज्ञान कार्यक्रम में रासेयो छात्रों का सहयोग, महाविद्यालय उद्यान की साफ-सफाई, कौमी-एकता कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, नागरिक अधिकार संरक्षण सप्ताह का आयोजन, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

20 शासकीय महाविद्यालय, मनावर

अनन्त चतुर्दशी कार्यक्रम पर रासेयो छात्रों ने नगर पुलिस को सहयोग दिया। कौमी एकता सप्ताह तथा रासेयो दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के स्नेह-सम्मेलन में सहयोग, छात्रों को दिशा-निर्देश आदि कार्य किये गये।

21 शासकीय महाविद्यालय, झाबुआ

आजाद जयन्ती समारोह, ग्राम भाभरा में स्वतन्त्रता दिवस की तैयारी, महाविद्यालय प्रांगण में उद्यान की सफाई, शान्ति-वन की सफाई एवं गड्ढों का निर्माण, दिशा-निर्देश आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। विवेकानन्द जयन्ती पर रासेयो छात्रों द्वारा अनेक कार्यक्रमों का आयोजन। अंधशाला के लिए विभिन्न दानदाताओं से लगभग एक हजार रुपये की राशि एकत्रित की गयी।

22 शासकीय महाविद्यालय, जोबट

56 छात्र-छात्राओं ने मिलकर पर्यावरण सुधार के अन्तर्गत 125 पौधे स्थानीय कृषि एवं बीज विकास निगम में रोपित किये। स्थानीय विद्यालय में 69 पौधे लगाये एवं 25 गड्ढे खोदे गये। 25 छात्रों ने 11 से 13 जनवरी '88 तक महाविद्यालय का सामान पुराने भवन से नये भवन में स्थानान्तर करवाने में उल्लेखनीय कार्य किया।

मुद्रणालय

आलोच्य वर्ष में इस मुद्रणालय ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राध्ययन-केन्द्रों, विभागों, अनुभागों तथा दोनों महाविद्यालयों के दैनिकोपयोगी कार्यों का मुद्रण-कार्य सम्पन्न किया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न संकायों के प्रविवरण, उपाधि-पत्र, अंकसूचियाँ तथा सारणीपत्रकों का मुद्रण-कार्य भी इस मुद्रणालय द्वारा किया गया। इसी प्रकार शोध-कार्य को प्रोत्साहन देने हेतु प्रकाशित विक्रम शोध पत्रिकाओं का मुद्रण-कार्य भी सम्पन्न किया गया। इस वर्ष मुद्रणालय ने कला संकाय के अन्तर्गत 'मिथक भाग 2' विषय पर एक विशेषांक प्रकाशित किया तथा इसी संकाय के अन्तर्गत 'आविगुरु शंकराचार्य' पर विशेषांक एवं विक्रम मैथेमेटिकल जनल का कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त मुद्रणालय ने जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर तथा तकनीकी शिक्षा मण्डल, भोपाल के उपाधि-पत्रों का मुद्रण कार्य भी कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया है। इस प्रकार प्रतिवेदनान्तर्गत वर्ष में मुद्रणालय ने 619 कार्यपत्रों का सम्पादन कर रु. 4,60,054–25 की आय अर्जित की, जो अपने आप में एक 'रिकार्ड' है।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मुद्रणालय को मुख्य एवं द्वितीय परीक्षाओं के लिए कोरी उत्तर-पुस्तिकाओं का निर्माण करवाकर उन्हें सम्बन्धित परीक्षा-केन्द्रों तक पहुंचाने का कार्य सौंपा गया था। इस कार्य को भी मुद्रणालय ने दक्षता के साथ सम्पन्न किया।

मुद्रणालय ने 18" × 24" आकार की एक आटोमेटिक सिलेण्डर प्रिंटिंग मशीन क्रय की अनुमति प्रदान की। इस मशीन से विश्वविद्यालय मुद्रणालय की क्षमता में वृद्धि होने की सम्भावना है।

प्रौढ़/सतत शिक्षा एवं विस्तार कार्यक्रम केन्द्र

1 केन्द्र संचालन

(क) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कुल 400 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र आवंटित किये गये। जिनमें से 210 केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा एवं 190 केन्द्र विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 19 महाविद्यालयों द्वारा संचालित किये गये।

(ख) प्रत्येक महाविद्यालय में दस केन्द्रों के प्रारम्भ होने के पूर्व अनुदेशकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई। इसी प्रकार विश्वविद्यालय केन्द्रों के 210 अनुदेशकों की नियुक्ति, संचालक, प्रौढ़ शिक्षा द्वारा की गई।

(ग) विश्वविद्यालय के आसपास के गाँवों और उज्जैन नगर के कुछ इलाकों में महिलाओं के केन्द्र स्थापित कर प्रारम्भ किये गये।

(घ) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 210 केन्द्रों के लिए 5 पुरुष पर्यवेक्षक एवं 3 महिला पर्यवेक्षकों तथा विभिन्न 19 महाविद्यालयों में 19 पर्यवेक्षकों द्वारा निरीक्षण किया गया।

2 केन्द्रों का मूल्यांकन एवं परीक्षा

वर्ष 1986-87 में विश्वविद्यालय के 3862 एवं महाविद्यालयों के 4087 शिक्षार्थी कुल 7049 शिक्षार्थी साक्षर हुए।

3 सतत शिक्षा

प्रौढ़/सतत शिक्षा एवं विस्तार कार्यक्रम केन्द्र द्वारा संचालित सतत शिक्षा अल्पावधि पाठ्यक्रमों में टी. वी. मरम्मत, आशुलिपि, टंकणकला की परीक्षाएँ आयोजित की गई एवम् उनके परिणाम घोषित किये गये, जिनमें निम्नानुसार शिक्षार्थी उत्तीर्ण रहे—

1	टी. वी. मरम्मत	36
2	टंकण कला	2
3	आशुलिपि	4

उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। उक्त पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को अन्यत्र सेवा प्राप्त होने की सूचना भी है।

4 सम्मेलन, संगोष्ठियां, परिचर्चा, बैठकें

क्रमांक	सम्मेलन का नाम	स्थान	दिनांक
1	जनसंख्या शिक्षा कर्मशाला	जबलपुर	17 से 18 सितम्बर, 87
2	जनसंख्या शिक्षा क्लब के अन्तर्गत प्रतियोगिताएँ	उज्जैन	5 से 7 जनवरी, 88
3	अनुदेशक/ पर्यवेक्षक प्रशिक्षण	उज्जैन	5 से 12 मार्च, 88

4 (1) जनसंख्या शिक्षा संसाधन केन्द्र

यू. एन. एफ. पी. ए. के जनसंख्या शिक्षा संस्थान केन्द्र की ओर से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में जनसंख्या शिक्षा प्रशिक्षण कर्मशाला का आयोजन इस केन्द्र द्वारा दिनांक 17-9-87 एवं 18-9-87 तक आयोजित की गई। उक्त कर्मशाला का उद्घाटन डॉ. एच. पी. दिक्षीत, कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

इस कर्मशाला में संचालक, प्रौढ़/सतत शिक्षा एवं विस्तार कार्यक्रम केन्द्र, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के अतिरिक्त और भी कई विशिष्ट व्यक्तियों ने भाग लिया।

4 (2) जनसंख्या शिक्षा क्लब के अन्तर्गत प्रतियोगिताएँ

विक्रम विश्वविद्यालय, प्रौढ़/सतत शिक्षा एवं विस्तार कार्यक्रम केन्द्र में जनसंख्या शिक्षा क्लब के अन्तर्गत दिनांक 5 से 7 जनवरी, 88 तक विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। पुरस्कृत प्रतियोगियों के नाम इस प्रकार हैं—

प्रतिस्पर्धा का नाम	पुरस्कृत महाविद्यालय/छात्र का नाम	स्थान
1 समूह गान	माधव महाविद्यालय, उज्जैन	प्रथम (शील्ड)
	शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर	द्वितीय
	शासकीय महाविद्यालय, झाबुआ	तृतीय
2 एकांकी प्रदर्शन	ज्ञान मंदिर महाविद्यालय, नीमच	प्रथम
	शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर	द्वितीय
	शासकीय महाविद्यालय, झाबुआ	तृतीय

प्रतिस्पर्धा का नाम	पुरस्कृत महाविद्यालय/छात्र का नाम	स्थान
3 एकांकी अभिनय		
कु. इन्दिरा भाटी	कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन	प्रथम
श्री सूरज शर्मा	शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर	द्वितीय
कु. सविता सिंहल	ज्ञानमन्दिर महाविद्यालय, नीमच	तृतीय
4 तात्कालिक भाषण		
कु. नीता डेविड	अर्थशास्त्र अध्ययनशाला, उज्जैन	प्रथम
श्री मनोज शर्मा	शासकीय महाविद्यालय, धार	द्वितीय
कु. कमलेश उपाध्याय	ज्ञान मन्दिर महाविद्यालय, नीमच	तृतीय
कु. विद्या ठाकुर	शासकीय महाविद्यालय, शुजालपुर	तृतीय
5 निबन्ध लेखन		
श्री प्रीतम भटनागर	शासकीय महाविद्यालय, आगर	प्रथम
श्री धर्मेन्द्र यादव	अर्थशास्त्र अध्ययनशाला, उज्जैन	द्वितीय
कु. अचला पालीवाल	शा. कन्या महाविद्यालय, खरगोन	तृतीय
कु. बेला जैन	शा. कालिदास कन्या महा., उज्जैन	तृतीय
6 काव्य पाठ		
कु. नीता डेविड	अर्थशास्त्र अध्ययनशाला, उज्जैन	प्रथम
कु. आशा चौहान	शासकीय महाविद्यालय, आगर	द्वितीय
कु. कमलेश उपाध्याय	ज्ञान मन्दिर महाविद्यालय, नीमच	तृतीय
7 कहानी लेखन		
श्री सुनीलकुमार देवड़ा	जयजवाव महाविद्यालय, तराना	प्रथम
कु. राधा शर्मा	शासकीय महाविद्यालय, धार	द्वितीय
कु. अनामिका कामड़े	शासकीय महाविद्यालय, आगर	तृतीय
8 एकांकी लेखन		
श्री विवेक अग्रवाल	शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर	प्रथम
श्री सुनीलकुमार देवड़ा	जयजवान महाविद्यालय, तराना	द्वितीय
श्री विवेक किल्लेदार	माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन	तृतीय
श्री प्रीतमकुमार भटनागर	शासकीय महाविद्यालय, आगर	तृतीय

प्रतिस्पर्धा का नाम	पुरस्कृत महाविद्यालय/छात्र का नाम	स्थान
9 कविता लेखन		
कु. सपना जैन	शा. नवीन स्नातकोत्तर महा. शुजालपुर	प्रथम
श्री विवेक अग्रवाल	शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर	द्वितीय
श्री सतीश कुशवाह	शासकीय महाविद्यालय, खरगोन	तृतीय
10 पोस्टर प्रतियोगिता		
श्री सुनील रायजादा	शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर	प्रथम
कु. चेतना झाँझरी	कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन	द्वितीय
कु. रचना सोनी	शासकीय महाविद्यालय, अलीराजपुर	तृतीय

4 (3) **अनुदेशक/पर्यवेक्षक प्रशिक्षण**

विक्रम विश्वविद्यालय प्रौढ़/सतत शिक्षा एवं विस्तार कार्यक्रम केन्द्र द्वारा संचालित 210 केन्द्रों के पर्यवेक्षकों एवम् अनुदेशकों का प्रशिक्षण दिनांक 5 से 12 मार्च, 1988 तक आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का कार्य दो सत्रों में प्रतिदिन हुआ

1 पुरुषों के लिए अपराह्न 12 से 2 बजे तक।

2 महिला अनुदेशकों को संध्या 3 से 5 बजे तक।

उक्त प्रशिक्षण में अनुदेशकों को किस प्रकार पढ़ाया जावे, उनमें किस प्रकार कार्यात्मक एवं जागरुकता उत्पन्न की जावे साथ ही बच्चों की देख रेख एवम् आसपास का वातावरण किस प्रकार स्वच्छ रखा जावे, रोजगार किस प्रकार प्रारम्भ किया जावे आदि के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया

5 **नियोजन मंच**

इसके अन्तर्गत आठ महाविद्यालयों ने भाग लिया—

1 हरकचन्द चौरड़िया महाविद्यालय, भानपुरा
2 शासकीय महाविद्यालय, ब्यावरा
3 शासकीय महाविद्यालय, बड़वानी
4 शासकीय महाविद्यालय, धार
5 शासकीय महाविद्यालय, रतलाम
6 शासकीय महाविद्यालय, महिदपुर
7 शासकीय महाविद्यालय, शाजापुर
8 जयजवान महाविद्यालय, तराना

6 अनुदान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रौढ़/सतत शिक्षा कार्यक्रम के लिए 1723217–85 प्राप्त हुआ।

7 विक्रम विश्वविद्यालय क्षेत्र के महाविद्यालयों की सूची, जिसमें प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम एवं जनसंख्या शिक्षा क्लब कार्यरत हैं—

प्रौढ़ शिक्षा के 19 महाविद्यालय

1	शासकीय नेहरू महाविद्यालय, आगर मालवा	श्री के. व्ही. शर्मा
2	शासकीय महाविद्यालय, खरगोन	प्रो. पी. सी. दुबे
3	भगतसिंह शासकीय महाविद्यालय, जावरा	श्री एस. सी. मण्डलोई
4	शासकीय महाविद्यालय, झाबुआ	डॉ. के पी. ठाकुर
5	जयजवान महाविद्यालय, तराना	श्री बी. एल. शर्मा
6	शासकीय महाविद्यालय, धार	श्री सुरेन्द्र यादव
7	शासकीय महाविद्यालय, नीमच	श्री ए. एल. शर्मा
8	ज्ञान मन्दिर महाविद्यालय, नीमच	श्री अमरसिंह कॉलेज
9	ह. चौ. महाविद्यालय, भानपुरा	श्री नारायण जोशी
10	शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर	श्री बी. के. जैन
11	शासकीय महाविद्यालय, महिदपुर	डॉ. भुवनेश मिश्र
12	शासकीय महाविद्यालय, रतलाम	डॉ. एस. एस. कवीश्वर
13	बा. श. न. शा. महाविद्यालय, शाजापुर	डॉ. डी सी. पाटीदार
14	ज. ने स्मृति महाविद्यालय, शुजालपुर	श्री जे. सी. श्रीवास्तव
15	शासकीय महाविद्यालय, सेंधवा	श्री जे. के महाजन
16	माधव महाविद्यालय, उज्जैन	डॉ. हरीश प्रधान
17	माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन	श्री एस. एन. जोशी
18	कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन	श्री पी. के. गायल
19	शासकीय महाविद्यालय, अलीराजपुर	श्री बी. डी. श्रीवास्तव

जनसंख्या शिक्षा के 25 महाविद्यालय

1	शासकीय नेहरू महाविद्यालय, आगर मालवा	श्री के. व्ही. शर्मा
2	शासकीय महाविद्यालय, खरगोन	प्रो. पी. सी. दुबे
3	भगतसिंह शासकीय महाविद्यालय, जावरा	श्री एस सी मण्डलोई
4	शासकीय महाविद्यालय, झाबुआ	डॉ. के पी. ठाकुर
5	जयजवान महाविद्यालय, तराना	श्री बी. एल. शर्मा
6	शासकीय महाविद्यालय, धार	श्री सुरेन्द्र यादव

7	शासकीय महाविद्यालय, नीमच	श्री ए. एल. शर्मा
8	ज्ञान मन्दिर महाविद्यालय, नीमच	श्री अमरसिंह काठेड़
9	ह. ची. महाविद्यालय, भानपुरा	श्री नारायण जोशी
10	शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर	श्री वी. के. जैन
11	शासकीय महाविद्यालय, महिदपुर	डॉ. भुवनेश मिश्र
12	शासकीय महाविद्यालय, रतलाम	डॉ. एस. एस. कविश्वर
13	वा. श. न. गो. महाविद्यालय, शाजापुर	डॉ. डी. सी. पाटीदार
14	ज. ने. स्मृति महाविद्यालय, शुजालपुर	श्री जे. सी. श्रीवास्तव
15	शासकीय महाविद्यालय, सेंधवा	श्री जे. के. महाजन
16	माधव महाविद्यालय, उज्जैन	डॉ. हरीश प्रधान
17	माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन	श्री एस. एन. जोशी
18	कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन	श्री पी. के. गोयल
19	शासकीय महाविद्यालय, अलिराजपुर	श्री बी डी. श्रीवास्तव
20	शासकीय महाविद्यालय, बड़वाह	श्री एम. एस. डोंगरे
21	शासकीय महाविद्यालय, खाचरौद	श्री के. के. राय
22	शासकीय महाविद्यालय, राजगढ़	श्री जी. सी पुरोहित
23	शासकीय महाविद्यालय, बड़नगर	श्री सुरेन्द्रकुमार रा. देव
24	शासकीय महाविद्यालय, बड़वानी	श्री आर. एन. काम्हेरे
25	शासकीय कन्या महाविद्यालय, उज्जैन	कु. वनमाला पागनीस

सिंधिया प्राच्य संस्थान

यह संस्थान विजयादशमी, 20 अक्टूबर, 1931 को भूतपूर्व ग्वालियर राज्य द्वारा स्थापित किया गया था। सन् 1960 में मध्यप्रदेश शासन द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन को हस्तान्तरित कर दिया गया। स्थापना-दिवस से आज तक संस्थान साहित्यिक-जगत की सेवा कर रहा है। इसमें विभिन्न भाषाओं तथा लिपियों के हस्तलिखित, मुद्रित एवं दुर्लभ ग्रन्थों का संग्रह है। इसमें विशेषकर शारदा, मैथिली गुप्त-ब्राह्मी, मोड़ी, देव-नागरी आदि विभिन्न लिपियों में तथा भूर्जपत्र, ताड़पत्र तथा कागज पर लिखित ग्रन्थ संग्रहीत है।

संस्थान में हस्तलिखित ग्रन्थों की संख्या 18122 तथा मुद्रित पुस्तकों की संख्या 13547 हैं। संस्थान में माइक्रोफिल्म मशीन स्थापित हो गई है, जिसमें हस्तलिखित ग्रन्थों तथा दुर्लभ मुद्रित पुस्तकों की माइक्रोफिल्म कापी तैयार करने में और माइक्रोफिल्म का अध्ययन करने में बहुत सुविधा हो गई है।

आलोच्य वर्ष में संस्थान के प्रकाशन योग्य हस्तलिखित ग्रन्थों की प्रेस कॉपी तैयार करने का कार्य प्रगति पर रहा।

संस्थान के मानसेवी निदेशक पद पर संस्कृत अध्ययनशाला, विक्रमा विश्वविद्यालय, उज्जैन के विभागाध्यक्ष, आचार्य श्रीनिवास रथ हैं, जिनके मार्गदर्शन में संस्थान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

विकास योजनाएं

1 सातवीं पंचवर्षीय योजना (1985–1990)

विश्वविद्यालय के लिये रुपये 100 लाख की सीमा के अधीन सातवीं योजना (1985–90) प्रस्तावों पर विचार करने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली ने दिनांक 21-1-87 को आयोग कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। तदनुसार आयोग ने अपनी बैठक दि. 27-2-87 में निम्नानुसार सातवीं योजना स्वीकृत की है जिसकी सूचना आयोग के पत्र क्रमांक एफ–19–6/87 (बी-1) दिनांक 4 जुलाई, 1987 द्वारा प्रसारित की गई—

	(रुपये लाख में)
(क) पूर्व योजनाओं को पूर्ण करने हेतु राशि	
1 भवन	20.50
2 शैक्षणिक एवम् तकनीकी पद के वेतन आदि	19.35
3 अन्य योजनाएँ	2.06
	41.91
(ख) योजना के 30 प्रतिशत आधार पर सातवीं योजना मे आधार भूत अनुदान	
1 पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ	7.00
2 उपकरण	14.00
	21.00

(ग) नवीन योजनाएँ

1 पूर्व योजनाओं में स्वीकृत भवनों की लागत में वृद्धि का अंशदान	4.00
2 पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ	6.00
3 उपकरण	7.00
4 नवीन शैक्षणिक एवं तकनीकी पदों के वेतन : (आचार्य 1, उपाचार्य 5, प्राध्यापक 6 एवं तकनीकी सहायक 1 कुल 13 पद)	13.34
5 अन्य योजनाएँ	6.75
	37.09
कुल योजना राशि	100.00

उपरोक्त रुपये 100 लाख की अनुदान आयोग की योजना पर राज्य शासन का अंशदान रुपये 6.75 लाख होना प्रस्तावित है। अतः इस प्रकार कुल योजना 106.75 लाख की होगी।

स्वीकृत योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति निम्नानुसार है—

(क) पूर्व योजनाएँ :

भवन निर्माण की योजनाएँ पूर्व में राज्य शासन के अंशदान की स्वीकृति वर्ष 1985–86 में प्राप्त होने से कार्य आरम्भ नहीं किया जा सका अतः इन सभी योजनाओं का निर्माण कार्य स्वीकृति पश्चात् वर्ष 86–87 में प्रारम्भ किया गया तथा सभी भवनों का सिविल कार्य सम्पन्न हो चुका है। बिजली फिटिंग का कार्य भी सम्पन्न हो चुका है वर्ष 1988-89 में भवन उपयोग हेतु उपलब्ध हो जावेगा।

छठी पंचवर्षीय योजना में स्वीकृत सभी पदों पर केवल प्राणिकी के एक तकनीकी सहायक को छोड़कर नियुक्तियाँ की जा चुकी है। इन पदों पर 31-3-88 तक अनुदान आयोग से शत प्रतिशत अनुदान प्राप्त होगा इसके पश्चात् पूर्ण व्यय राज्य शासन वहन करने हेतु वचन बद्ध है।

पूर्व योजनाओं में सम्मिलित अन्य योजना पर राज्य शासन की स्वीकृति देर से प्राप्त होने से व्यय नहीं किया जा सका, अब ये सातवीं योजना में सम्मिलित होने से क्रियान्वयन किया जा रहा है।

(ख) आधार भूत अनुदान :

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली ने शत प्रतिशत आधार पर सातवीं योजना काल के प्रारम्भ में योजना के 30% आधार पर आधार भूत अनुदान के रूप में विभागों के लिए पुस्तकें एवम् पत्रिकाओं हेतु रु. 7.00 लाख तथा उपकरणों हेतु 14.00 लाख इस प्रकार कुल रु. 21 लाख स्वीकृत किये है। इन मदों पर व्यय की स्वीकृति प्रदान कर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

(ग) नवीन योजनाएं

पूर्व योजनाओं में स्वीकृत भवनों के निर्माण लागत में वृद्धि होने के कारण लागत वृद्धि सम्बन्धी विस्तृत प्रस्ताव अनुदान आयोग को प्रेषित कर स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है।

सातवीं योजना में सम्मिलित पुस्तकें एवं पत्रिकाओं एवम् उपकरण की धनराशि का क्रियान्वयन आधारभूत अनुदान की राशि के व्यय की प्रगति के आधार पर प्रारम्भ किया गया है।

सातवीं योजना में स्वीकृत नवीन पदों को संस्थित करने तथा उन पर नियुक्तियों की प्रक्रिया वर्ष 1988-89 में राज्य शासन की स्वीकृति के पश्चात् प्रारम्भ किया जा रहा है। आयोग से शत-प्रतिशत अनुदान 31-3-90 तक प्राप्त होगा।

योजना में सम्मिलित अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन राज्य शासन के अंशदान की स्वीकृति के पश्चात् प्रारम्भ किया जा रहा है।

2 सातवीं योजना के बाहर की योजनाएँ

1 शिक्षक आवास-गृह

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सातवीं योजना के बाहर शिक्षक आवासगृह निर्माण हेतु रु. 20 लाख की लागत से आवासगृह निर्माण की योजना स्वीकृत की है। इस योजना में आयोग एवं राज्य शासन का अंशदान क्रमशः 10-10 लाख होगा। आयोग से भवन निर्माण के प्रथम अनुमान की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। राज्य शासन के अंशदान की स्वीकृति प्राप्त होते ही कार्य की निविदाएँ आमन्त्रित की जावेगी।

2 कम्प्यूटर सेण्टर की स्थापना

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर सेण्टर की स्थापना हेतु शत-प्रतिशत आधार पर रु. 14 लाख अनावर्तक व्यय तथा रु. 15 लाख आवर्तक व्यय 50 प्रतिशत आधार पर वहन करने की स्वीकृति प्रदान की है। राज्य शासन से भी स्वीकृत पद संस्थित करने एवं 50 प्रतिशत आवर्तक व्यय वहन करने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। योजना का क्रियान्वयन करने की कार्यवाही की जा रही है। इस योजना हेतु अनुदान आयोग भवन निर्माण के लिये प्रावधान नहीं करता है। अतः राज्य शासन को रु. 5 लाख भवन निर्माण के प्रस्ताव भेजे गये हैं। जिसकी स्वीकृति प्राप्त होते ही भवन योजना का क्रियान्वयन किया जावेगा।

3 पोस्ट बी. एससी. कम्प्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा

भारत शासन के इलेक्ट्रानिक्स विभाग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस विश्वविद्यालय में उपर्युक्त पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के उद्देश्य से रु. 1.50 लाख अनावर्तक व्यय हेतु भारत शासन से प्राप्त हुई है तथा उपाचार्य (एक), प्राध्यापक (दो), तकनीकी सहायक (2) के पद स्थापित करने के लिये अनुदान आयोग ने स्वीकृति प्रदान की है। आवर्तक व्यय रु. 1.15 लाख प्रतिवर्ष के हिसाब से 5 वर्ष तक आयोग से प्राप्त होगा।

राज्य शासन से योजना में उल्लेखित पदों को संस्थित करने की स्वीकृति अब प्राप्त हो गई है अतः योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

4 अंग्रेजी भाषा अध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अंग्रेजी भाषा अध्ययन केन्द्र प्रारम्भ करने के उद्देश्य से (एक) उपाचार्य का पद स्वीकृत किया है। इस पद को संस्थित करने हेतु राज्य शासन को प्रस्ताव भेजे गये थे और अब स्वीकृति प्राप्त हो गई है। योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी प्रकार पुस्तकें एवम् उपकरण पर रु. 2 लाख तथा रु. 50,000/- आकस्मिक व्यय हेतु स्वीकृत है।

5 एम. बी. ए. पाठ्यक्रम योजना

विश्वविद्यालय में एम. बी. ए. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने सम्बन्धी लगभग रु 9। लाख का प्रस्ताव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रेषित किये गये थे तदनुसार भारत शासन के मानव संसाधन मंत्रालय से सम्बन्धित तकनीकी शिक्षा मण्डल की पश्चिम क्षेत्रिय परिषद् की भ्रमण समिति ने इस हेतु विश्वविद्यालय में दिनांक 29-8-86 को प्रस्तावों का परीक्षण

कर प्रतिवेदन भारत शासन को प्रस्तुत किया है। इसी तारतम्य में दिनांक 7-8-87 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव एवं भारत शासन के प्रतिनिधि ने भी विभाग का निरीक्षण कर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उपर्युक्त समितियों के प्रतिवेदन के आधार पर भारत शासन की तकनीकी परिषद् ने पूर्णकालिक एम. बी. ए. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी है तदनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपने पत्र क्रमांक एफ–35–6/84 (टी) दिनांक 26 अप्रैल, 1988 द्वारा व्यवसाय प्रबन्ध संस्थान स्थापना की विस्तृत योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी है। राज्य शासन की स्वीकृति शैक्षिक एवम् अन्य पद को संस्थित करने एवं राज्यांश की स्वीकृति प्राप्त होते ही योजना का क्रियान्वयन किया जावेगा।

6 युनिवर्सिटी लिडरशिप प्रोग्राम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस विश्वविद्यालय के राजनीति अध्ययनशाला को युनिवर्सिटी लिडरशिप प्रोग्राम हेतु चयन किया है। योजना के बाहर इस हेतु 9.5 लाख रुपये की राशि प्रथम तीन वर्ष के लिये स्वीकृत किये हैं। इसमें उपाचार्य (2), डाक्यूमेंटेशन असिस्टेण्ट (एक) एवं आशुलिपिक का (एक) पद स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार पुस्तकें एवम् उपकरण इत्यादि के लिये स्वीकृति प्राप्त हुई है। राज्य शासन ने उपर्युक्त स्वीकृत पदों को संस्थित करना भी स्वीकार कर लिया है तथा योजना प्रारम्भ की जा चुकी है। यह योजना आठवीं पंचवर्षीय योजना में प्रथम चार्ज के रूप में सम्मिलित की जाना है।

7 राज्य शासन द्वारा वनस्पति विभाग के लिये विशेष अनुदान

राज्य शासन के निर्णयानुसार वनस्पति अध्ययनशाला को विशेष अनुदान रु. 5 लाख प्रतिवर्ष देकर उसका उच्च शिक्षा केन्द्र के रूप में विस्तार की योजना स्वीकृत की गई है। तदनुसार राज्य शासन को 3 वर्ष के प्रस्ताव प्रेषित किये गये हैं, जिसके विरुद्ध रु 5 लाख योजना की स्वीकृति प्रत्याशा में विश्वविद्यालय को प्राप्त हो चुके हैं।

8 शारीरिक शिक्षा— एन. एस. ओ. प्रोग्राम के अधीन शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा आवश्यकताओं का विकास

(अ) नवीन शिक्षा नीति में एन. एस. ओ. प्रोग्राम के अधीन क्रीड़ा उपकरण क्रयार्थ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा रु. 1.50 लाख का शत-प्रतिशत आधार पर अनुदान स्वीकृत किया गया है। योजना के क्रियान्वयन हेतु शारीरिक शिक्षा निदेशक द्वारा क्रियान्वयन की कार्यवाही की गई है।

(ब) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एन. एस. ओ. प्रोग्राम के अधीन रु. 20 लाख की राशि में एक मिनी स्पोर्ट काम्पलेक्स, जिमनाशियम भवन का विस्तार एवं खेल मैदान के सुधार आदि की योजना स्वीकृत की है। राज्य शासन को उनके रु. 5 लाख के अंशदान हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये हैं तथा स्वीकृति प्राप्त होते ही योजना का क्रियान्वयन किया जावेगा।

9 नवीन प्रशासकीय भवन : (माधव भवन)

विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासकीय निर्माणाधीन भवन पर कुल रु. 50 लाख का व्यय अनुमानित है। इस हेतु राज्य शासन को रु. 10.58 लाख का अनुदान स्वीकृत करने के प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये हैं। भवन लगभग बनकर तैयार हो चुका है और कुछ आवश्यक फीटिंग एवं अप्रोच रोड आदि का कार्य प्रगति पर है। वर्ष 1988–89 में नवीन भवन में कार्यालय संचालित होगा।

इसी प्रकार प्रशासकीय भवन की साज-सज्जा हेतु राज्य शासन से रु. 5.00 लाख का अनुदान हेतु प्रस्ताव किया गया था तदनुसार अब राज्य शासन से उपर्युक्त राशि निर्गमित होकर प्राप्त हो गई है। भवन निर्माण का पूर्ण कार्य सम्पन्न होते ही साज-सज्जा का कार्य सम्पन्न किया जावेगा।

10 शिक्षक छात्रवृत्तियाँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संकाय सुधार योजना के अन्तर्गत कार्यरत शिक्षकों के हेतु अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन टीचर फेलोशिप स्वीकृत की जाती है। वर्तमान में विभिन्न संकायों में एम. फिल. या पीएच डी. हेतु 17 शिक्षकगण उपर्युक्त योजना में कार्यरत हैं।

11 सम्मेलन, संगोष्ठी तथा कार्यशाला आदि

समाज विज्ञान संकाय के अन्तर्गत राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की सहायता से 'जवाहरलाल नेहरू और उनका योगदान' दिनांक 5-9-87 से 8-9-87, 'सिकस्थ रीजनल काम्फ्रेन्स', दिनांक 7-5-88 से 8-5-88 एवम् 'ओरिएण्टेशन प्रोग्राम', दिनांक 4-5-88 से 14-6 88 तक सेमीनारों का आयोजन किया गया।

विज्ञान संकाय के अन्तर्गत गणित अध्ययनशाला द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की सहायता से 'फंक्शनल एनालिसिस एण्ड इट्स एप्लीकेशन्स' सेमीनार का आयोजन दिनांक 23-1-88 से 27-1-88 तक किया गया।

जीव विज्ञान संकाय के अन्तर्गत प्राणिकी अध्ययनशाला द्वारा विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा एम. पी. कौंसिल ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नालॉजी, भोपाल की सहायता से 'रीसेण्ट ट्रेण्ड्स इन इम्यूनोबायोलॉजी एण्ड बायोकेमेस्ट्री' सेमीनार का दिनांक 24-3-88 से 26-3-88 तक आयोजन किया गया।

प्रतिवेदनान्तर्गत विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठी एवं कर्मशाला इत्यादि में इस विश्वविद्यालय से 32 प्रतिनिधियों को मनोनीत किया गया।

प्रतिवेदनान्तर्गत विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्टी तथा कर्म-शालाओं में इस विश्वविद्यालय के निम्नलिखित शिक्षकों को मनोनीत किया गया—

1	डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव	1 इण्डो स्पेशनिश कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम 1986–88। 2 इण्डो यू. एस. फैलोशिप प्रोग्राम 1987–89।
2	डॉ. (कु.) एन. रेवाड़ीकर	सुलजबर्ग सैमीनार, 1987 (आस्ट्रिया)
3	डॉ. बी. आर. दास	एट्थ इण्टरनेशनल सिम्पोजियम एडीपी रिबोसेलेशन एट फोरथ विध यू. एस. ए.
4	डॉ. जी. के. उपाध्याय	वर्कशाप ऑन न्यूक्लियर माडल कम्प्यूटर कोड्स एट के. टी. पी. ट्रस्टी, इटली

12 छात्रवृत्तियां

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, सी. एस. आई. आर., आय. सी. एस. आर., आई. सी. ए. आर., आई. सी. एम. आर., एम. कास्ट, भारत शासन इत्यादि द्वारा विभिन्न संकायों में स्वीकृत शोधवृत्तियों के विरुद्ध कार्यरत शोधार्थियों का विवरण निम्नानुसार है—

		संख्या
1	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	
	1 वरिष्ठ शोधवृत्ति (यूजीसी) वन	1
	2 कनिष्ट शोधवृत्ति (एट ऐनी गीवन टाईम बेसिस)	6
	3 तथैव (डायरेक्ट)	1
	4 रिसर्च असोशिएटशीप	1

D - 6007
11-4-91

	5 रिसर्च साइंटीस्ट बी	1
	6 प्राध्यापकों के व्यक्तिगत शोध परियोजना	10
2	सी. एस. आई. आर.	5
3	आई. सी. एस आर	—
4	आई. सी. ए. आर	—
5	आई. सी. एम. आर.	3
6	एम. कास्ट	11
7	भारत शासन	9
8	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	21
9	राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति	18
10	अन्य	8

आय-व्यय

वर्ष 1987–88 में किये गये आय-व्यय का विवरण परिशिष्ट में सम्मिलित किया गया है।

परीक्षा

समीक्षा वर्ष में समस्त परीक्षाओं के लिए कुल 75396 परीक्षार्थियों का पंजीयन किया गया जिनका परीक्षावार पत्रक परिशिष्ट पर है।

पदक

सन् 1987 की परीक्षाओं में स्वर्ण-पदक प्राप्तकर्त्ताओं तथा रजत-पदक प्राप्तकर्त्ताओं की सूची परिशिष्ट पर है।

शारीरिक शिक्षा एवम् खेल-कूद

विक्रम विश्वविद्यालय का क्रीड़ा सत्र माह जुलाई, 1987 से प्रारम्भ हुआ। विश्वविद्यालय क्रीड़ा-समिति की बैठक दिनांक 28-7-87 को आयोजित हुई। क्रीड़ा कार्यकारी मण्डल की निम्नलिखित बैठकें आयोजित की गई—

1 बैठक दिनांक 17-9-87 व 18-9-87

2 बैठक दिनांक 17-10-87

3 बैठक दिनांक 2-2-88

क्रीड़ा सत्र 1987–88 में विभिन्न खेलों की 18 अन्तर महाविद्यालयीन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। पुरुष विभाग में 13 तथा महिला

विभाग में 5 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनका सम्बन्धित महाविद्यालयों द्वारा सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विस्तृत जानकारी एवं परिणाम परिशिष्ट में हैं।

अन्तर-महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के पश्चात् विभिन्न खेलों की चयन-समितियों के द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न क्रीड़ा दलों का गठन किया जाकर उचित प्रशिक्षण उपरान्त दलों को अन्तर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु भेजा गया, जिसका विस्तृत विवरण परिशिष्टों में हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी निम्नलिखित छात्र/छात्रा खिलाड़ियों को विश्वविद्यालयीन क्रीड़ा छात्रवृत्ति रुपये 50–00 प्रतिमाह की दर से जुलाई, 87 से जून 88 तक स्वीकार कर भुगतान की गई।

1 कु. दमयन्ती लोने, शासकीय महाविद्यालय, नीमच
2 श्री आनन्दकुमार पारिख, शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उज्जैन
3 श्री देवेन्द्रसिंह राठौर, शासकीय वाणिज्य महाविद्यालय, रतलाम
4 श्री विलीप पगारिया, शासकीय महाविद्यालय, बड़नगर
5 श्री रूपसिंह कलैश, शासकीय महाविद्यालय, अलिराजपुर
6 श्री संजय भावसार, माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन
7 श्री प्रकाशचन्द्र टाड़ी, सान्दीपनि महाविद्यालय, उज्जैन
8 श्री पवनकुमार सिंहल, माधव महाविद्यालय, उज्जैन

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित छात्र खिलाड़ियों के आवेदन म. प्र. शासन खेल-कूद छात्रवृत्ति हेतु अनुशंसित किए गए—

1 कु. किरण टण्डण, शासकीय कला/विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन
2 श्री प्रकाश सुत्या, शासकीय महाविद्यालय, संघवा
3 श्री राजेन्द्र जैनीवाल, राजनीति अध्ययनशाला, वि. वि. उज्जैन

विशेष —

इस वर्ष विक्रम विश्वविद्यालय जिमनास्टिक दल तथा मल्लखम्ब दल ने अखिल भारतीय अन्तर-विश्वविद्यालयीन जिमनास्टिक/मल्लखम्ब प्रतियोगिता जो कि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित की गई थी, में क्रमशः तृतीय एवं चतुर्थ स्थान अर्जित कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य, विक्रम

विश्वविद्यालय जिमनास्टिक दल ने फ्लीअर एक्सरसाईज में व्यक्तिगत इवेण्ट में तृतीय स्थान प्राप्त किया। म. प्र. अन्तर-विश्वविद्यालयीन (पुरुष/महिला) प्रतियोगिता 1987–88 जोकि रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित की गई थी में विक्रम विश्वविद्यालय एथेलेटिक्स (पुरुष/महिला) दलों ने भाग लेकर खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निम्नानुसार खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में स्थान अर्जित किए—

क्रमांक	नाम	महाविद्यालय	इवेण्ट	स्थान
1	श्री रूपसिंह कलेश	शा. महा., अलिराजपुर	500 मीटर	द्वितीय
2	श्री सुभाष घवई	सान्दी महा., उज्जैन	10,000 मीटर	प्रथम
3	श्री राजेन्द्र लोले	शा. महा., नीमच	5,000 मीटर	तृतीय
4	कु. जुलिया डेविड	शा. कन्या महा., रतलाम	हाई जम्प	द्वितीय
5	श्री सुरेन्द्रसिंह	शा. महा., खरगोन	जेवेथिन थ्रो	द्वितीय

(श्री सुरेन्द्रसिंह ने स्टेट अन्तर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता का पिछला रेकार्ड ब्रेक करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया)।

इसी सत्र में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला द्वारा विश्वविद्यालय को फील्ड स्टेशन प्रदान किया गया, जिसके अन्तर्गत दो प्रशिक्षक (एथेलेटिक्स, जिमनास्टिक) पदस्थ किये गये।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त आर्थिक अनुदान रुपये 1,50,000–00 की क्रीड़ा सामग्री क्रय की गई, जिससे विश्वविद्यालय जिम्नाशियम हॉल, जिम्नास्टिक व भारोत्तोलन की खेल विधाओं का केन्द्र-बिन्दु बन गया है।

अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक एफ–1–26/76 (सी डी/एस सी टी) दिनांक 13 नवम्बर, 1982 द्वारा प्रधान मंत्री के 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुसूचित जाति एवम् अनुसूचित जनजाति के कल्याणार्थ समस्त विश्वविद्यालयों में विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना प्रस्तावित की। तदनुसार इस विश्वविद्यालय में भी प्रकोष्ठ स्थापना का प्रस्ताव अनुदान आयोग को भेजा गया जो निम्नानुसार है—

1	उपकुलसचिव	1
2	वरिष्ठ अधीक्षक	1

3	सांख्यिकी सहायक	1
4	उच्चश्रेणी लिपिक–I	1
5	स्टेनो टाइपिस्ट	1
6	भृत्य	1

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने उनके पत्र क्रमांक एफ–9–79/83 (एस सी टी) दिनांक 23 फरवरी, 1983 द्वारा इस विशेष प्रकोष्ठ में उपर्युक्त प्रस्तावित पदों के लिये शत-प्रतिशत अनुदान के आधार पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

विश्वविद्यालय की कार्य-परिषद् ने दिनांक 11 अप्रैल, 1983 की बैठक में निर्णय क्रमांक 157 में आयोग की स्वीकृति के आधार पर अनुसूचित जाति एवम् अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के कल्याणार्थ बनाई गई विभिन्न योजनाओं एवम् उपलब्ध सुविधाओं के क्रियान्वयन हेतु कार्य-परिषद् के निर्णयानुसार वर्ष 1983–84 में स्वीकृत पदों के स्टेनो-टाइपिस्ट के पद को छोड़कर सभी पदों की पूर्ति कर विशेष प्रकोष्ठ ने दिनांक 16 फरवरी, 1984 से कार्य प्रारम्भ कर दिया, जिसकी सूचना आयोग को भी दी गई है।

भारत शासन के गृह-मंत्रालय से प्राप्त शत-प्रतिशत अनुदान से अनुसूचित जाति एवम् अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिये प्रतियोगिता परीक्षा के लिये प्रशिक्षण की नि.शुल्क सुविधा प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा पूर्व वर्षानुसार ही प्रदान की जा रही है।

विक्रम विश्वविद्यालय में अल्प संख्यक समुदाय के छात्रों (विशेषकर मुस्लिम समुदाय) के लिये प्रतियोगिता परीक्षा के प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की नवीन मार्गदर्शिकानुसार महाविद्यालय से प्रस्ताव माँगे गये हैं तथा विश्वविद्यालय में भी केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव कार्य-परिषद् द्वारा स्वीकृति के अनुसार तैयार किये जाकर आयोग को प्रेषित किये जा रहे हैं।

महाविद्यालय एवम् प्राध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय के आरम्भ में आगरा विश्वविद्यालय से केवल 24 महाविद्यालय (11 स्नातकोत्तर और 13 स्नातक महाविद्यालय) विरासत में मिले थे। तत्पश्चात इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में से इन्दौर, जीवाजी और भोपाल विश्वविद्यालयों की स्थापना होने के पश्चात भी वर्तमान में कला संकाय के तीन प्राध्ययन केन्द्र (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत) सामाजिक विज्ञान

संकाय के 4 प्राध्ययन केन्द्र (राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व, ग्रन्थालय विज्ञान), विज्ञान संकाय के 5 प्राध्ययन केन्द्र (रसायन, भौमिकी, गणित, सांख्यिकी, भौतिकी), जीवविज्ञान संकाय के 2 प्राध्ययन केन्द्र (प्राणिकी, वनस्पति विज्ञान), वाणिज्य संकाय का एक प्राध्ययन केन्द्र (व्यवसाय प्रबन्ध विभाग) एवम् एक अध्ययन विभाग (रशियन भाषा) तथा 71 महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है।

इन प्राध्ययन केन्द्रों और महाविद्यालयों की विस्तृत जानकारी परिशिष्ट पर है।

अनुसंधान

1987–88 के अन्तर्गत पीएच. डी., डी. लिट. उपाधि प्राप्त एवं पंजीयत अध्यर्थियों की सूची परिशिष्ट में है।

विक्रम विश्वविद्यालय निर्माण विभाग

आलोच्य वर्ष 1987-88 में विश्वविद्यालय निर्माण विभाग द्वारा निम्नांकित कार्य सम्पन्न किये गये :—

1 विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन में केन्टीन एवं सायकल स्टेण्ड भवन एवं कम्पाउन्ड वाल का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया। भवन की आंतरिक विद्युत जल प्रदाय एवं जल/मल निकास व्यवस्था का कार्य भी पूर्ण किया गया।

2 भौमिकी अध्ययनशाला में उच्च अध्ययन हेतु विस्तार कार्य के अंतर्गत दो प्रयोगशाला कक्षों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

3 विश्वविद्यालय के वर्तमान मुख्य कार्यालय के समीप विक्रम कीर्ति मन्दिर परिसर में सिंधिया ओरिएन्टल इन्स्टीट्यूट हेतु भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर रहा। आंतरिक जल प्रदाय एवं जल/मल निकास व्यवस्था का कार्य पूर्ण किया गया।

4 विभिन्न अध्ययनशालाओं में प्रयोग में लाये जाने वाले विभिन्न उपकरणों एवं यंत्रों की देखरेख एवं सुधार हेतु इन्स्ट्रूमेन्टेशन सेन्टर के भवन का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

5 विश्वविद्यालय परिसर में वर्तमान अतिथि गृह के समीप फेकल्टी काम्पलेक्स के भवन का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

6 विश्वविद्यालय परिसर में स्थित वर्तमान अतिथिगृह की सीमित सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए उसका विस्तार करने हेतु अतिरिक्त भवन का निर्माण कार्य भी पूर्ण किया गया। इस भवन में चार शयन कक्ष एवं एक बड़े हाल का प्रावधान है जो कि विश्वविद्यालय के अतिथियों को ठहराने के उपयोग में आयेगा।

7 विश्वविद्यालय में शिक्षकों के आवास हेतु 4 युनिट के एक एकीकृत एफ 2 टाइप आवासगृह के निर्माण का कार्य पूर्ण किया गया।

8 इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर के समस्त भवनो के संधारण मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य विभाग द्वारा किया गया।

9 उल्लेखनीय है कि पूर्ण वर्षों में ग्रीष्मकाल के दौरान विश्वविद्यालय की समुचित जल व्यवस्था हेतु फायर ब्रिगेड के टैंकरों का भी सहारा लेना पड़ता था एवं इस मद हेतु हजारों रुपया नगर पालिका निगम को भुगतान करना पड़ता था। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने इस मद में कोई व्यय नहीं किया। यह इस बात का द्योतक है कि उपलब्ध साधनों से ही समुचित जलप्रदाय व्यवस्था पूर्ण सतर्कता एवं सजगता से की गई। इस सम्बन्ध में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (संधारण) उज्जैन एवं सम्भागीय अभियंता शहर संभाग विद्युत मण्डल उज्जैन का योगदान सराहनीय रहा।

10 उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय में होने वाले विभिन्न समारोह, चुनाव एवं केन्द्रीय मूल्यांकन के अवसर पर भी इस विभाग द्वारा समय-समय पर आवश्यक व्यवस्था सम्पन्न की गई।

———

(परिशिष्ट क्रमांक—1)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

वार्षिक आय का सारांश 1987–88

क्र.	आय के मद	पुनरीक्षित अनुमान 1987–88	वास्तविक प्राप्ति 1987–88
भाग 1—संधारण आय :			
1	अनुदान		
	(क) विश्वविद्यालय हेतु सिंधिया प्राच्य संस्था एवं विक्रम कीर्ति मन्दिर सहित	1,02,00,000	141,76,000–00
	(ख) सामान्य आय —		
2	परीक्षा शुल्क	80,00,000	79,95,418–40
3	अन्य शुल्क	17,46,200	17,17,391–80
4	महाविद्यालय से संबद्धता तथा वार्षिक शुल्क	1,30,000	1,27,794–00
5	प्रकाशन से आय	75,000	38,677–80
6	पदकों तथा पुरस्कारों के लिये दान तथा धर्मस्व	5,000	—
7	सांख्यिकी सह सूचना केन्द्र हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से आवर्तक अनुदान	12,000	—
8	विश्वविद्यालय क्रीड़ा शुल्क	65,000	51,376–50
9	पुस्तकालय निधि वार्षिक पुस्तकालयीन सदस्यता शुल्क एवं विविध आय	25,000	14570–00
10	निवास गृहों तथा आवास गृहों से आय	16,50,000	2,53,881–08
11	विविध आय	4,50,200	2,84,092–94
12	मुद्रणालय से आय	3,00,000	3,93,901–07
13	उद्यान घास बिक्री एवं रद्दी से आय (रक्षित निधि)	60,000	50,051–00

क्र.	आय के मद	पुनरीक्षित अनुमान 1987–88	वास्तविक प्राप्ति 1987–88
	(ब) अध्ययनशालाओं एवं छात्रावासों की आय :		
14	अध्ययनशालाएँ		
	(क) शिक्षण शुल्क	90,000	66,224·50
	(ख) विज्ञान शुल्क	10,000	11,245–00
	(ग) अनुसंधान शुल्क	10,000	19,945–00
15	विश्वविद्यालय छात्रावासों से आय		
	(क) किराया, विद्युत, पानी प्रदाय आदि से आय	150,000	41,820–00
	(ख) अन्य आय	3,000	—
	योग भाग 1	2,14,96,400	2,52,42,389–09
	भाग 2–माधव महाविद्यालय का संधारण :		
16	(क) संधारण अनुदान	60,00,000	76,00,000·00
	(ख) माधव महाविद्यालय	4,67,000	3,55,011–00
	(ग) माधव विज्ञान महाविद्यालय	2,37,000	2,58,011–00
	योग भाग 2	67,04,000	82,13,022·00
	भाग 3–ऋण शीर्ष :		
17	निक्षेप (उचंत) छात्रवृत्ति सहित	28,12,000	22,89,841–64
18	अग्रिम	13,02,000	16,21,937–56
	योग भाग 3	41,14,000	39,11,779–20
	भाग 4–विकास आय :		
19	गंगाजल निधि के दान से एवं राज्य शासन के अनुदान से निर्मित किए जाने वाले भवन	11,00,000	5,00,000·00

क्र.	आय के मद	पुनरीक्षित अनुमान 1987–88	वास्तविक प्राप्ति 1987–88
20	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राज्य शासन द्वारा स्वीकृत विकास योजनाएँ	81,95,000	18,89,852–07
	योग भाग 4	92,95,000	23,89,852–07
	भाग 5–प्रौढ़/सतत शिक्षा केन्द्र :		
21	प्रौढ़ सतत शिक्षा केन्द्र आयोग	20,00,000	7,04,312–85
	योग भाग 5	20,00,000	7,04,312–85
	योग भाग 1, 2, 3, 4, 5,	4,36,09,400	4,04,61,355–21
	प्रारम्भिक अवशेष (विक्रम विश्वविद्यालय एवम् माधव महाविद्यालय)		14,85,831–06
	महायोग		4,19,47,186–27

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

वार्षिक व्यय का सारांश 1987-88

क्र.	व्यय की मदें	पुनरीक्षित अनुमान 1987-88	वास्तविक व्यय 1987-88
	भाग 1–संधारण व्यय :		
	(अ) सामान्य आय :		
1	संस्थापन	95,75,000	74,89,138-40
2	परीक्षा परिव्यय	59,77,000	49,00,610-85
3	अन्य परिव्यय	19,49,000	14,73,318-08
4	यात्रा भत्ता	3,05,000	1,57,708-25
5	विश्वविद्यालयीन प्रकाशन	65,000	1,716-00
6	किराया, कर संधारण एवम् मरम्मत	15,82,000	9,05,404-55
7	शुल्क तथा अन्य वापसी	3,05,000	4,58,141-00
8	शैक्षणिक तथा अन्य गतिविधियाँ	7,65,500	5,45,631-25
9	क्रीड़ा	3,77,000	2,10,817-60
10	विश्वविद्यालय पुस्तकालय	4,03,000	2,87,419-15
11	पुस्तकालय विज्ञान विभाग	8,000	3,694-55
12	सिन्धिया प्राच्य संस्था	23,500	17,087-85
13	विश्वविद्यालय उद्यान	—	—
14	विश्वविद्यालय मुद्रणालय	4,58,000	3,07,507-30
15	निकायों का अंशदान	52,600	35,040-90
	(ब) अध्ययनशालाओं तथा छात्रावासों का व्यय :		
16	भौतिकी अध्ययनशाला	8,47,000	8,16,517-60
17	गणित अध्ययनशाला	3,34,000	2,83,509-00
18	सांख्यिकी अध्ययनशाला	3,52,500	3,20,178-35
19	रसायन अध्ययनशाला	13,94,000	11,77,491-90

क्र.	व्यय के मद	पुनरीक्षित अनुमान 1987–88	वास्तविक व्यय 1987–88
20	वनस्पति अध्ययनशाला	9,50,000	7,68,930–08
21	प्राणिकी अध्ययनशाला	9,80,500	8,82,878–00
22	भौमिकी अध्ययनशाला	10,42,000	7,71,535–07
23	प्रा. भा. ई. सं. एवं पु अध्ययनशाला	5,87,500	5,10,351–60
24	संस्कृत अध्ययनशाला	2,34,000	1,60,350–10
25	हिन्दी अध्ययनशाला	2,76,000	2,78,432–60
26	अंग्रेजी अध्ययनशाला	2,17,000	1,94,423–25
27	अर्थशास्त्र अध्ययनशाला	2,76,000	2,83,066–42
28	राजनीति अध्ययनशाला	2,44,000	2,25,822–25
29	व्यवसाय प्रबन्ध	80,000	56,286–87
30	समन्वय कार्यालय	73,000	63,445–50
31	कालिदास छात्रावास	30,000	426–65
32	भर्तृहरी छात्रावास	2,29,500	1,74,491–97
33	सांदीपनी छात्रावास	2,65,000	1,56,558–00
34	विद्योतमा छात्रावास	2,24,500	2,01,051–10
35	केन्द्रीय कर्मशाला एवम् यू. एस. सी. सी	1,92,000	9,600–00
36	अतिथि गृह एवं स्टाफ क्लब	81,400	13,92–50
37	विद्यार्थी विराम	61,200	1,428–00
	संधारण योग भाग–I	3,08,16,700	2,41,31,400–54
	भाग 2–माधव महाविद्यालय, साधव विज्ञान महाविद्यालय :		
38	(क) माधव महाविद्यालय	50,62,500	42,30,837–04

क्र.	व्यय के मद	पुनरीक्षित अनुमान 1987–88	वास्तविक व्यय 1987–88
	(ख) माधव विज्ञान महाविद्यालय	44,27,500	38,36,719–05
	योग भाग 2	94,90,000	80,67,556–09
	भाग 3–ऋण शीर्षक :		
39	(अ) एवम् (ब) निक्षेप (उचन्त) छात्रवृत्ति सहित	28,12,000	20,57,709–90
	(स) अग्रिम	13,02,000	9,00,960–00
	योग भाग 3	41,14,000	29,58,669–90
	भाग 4–विकास व्यय :		
40	गंगाजलि दान से भवन निर्माण	1,00,000	2,04,066–38
41	प्रादेशिक शासन के अनुदान से संचालित योजना	—	—
42	भौतिकी अध्ययनशाला	2,41,900	2,15,948–15
43	सांख्यिकी अध्ययनशाला	1,08,200	7,8307–70
43ए	गणित अध्ययनशाला	1,10,800	56,837–00
44	रसायन अध्ययनशाला	83,800	75,954–00
45	वनस्पति अध्ययनशाला	1,41,500	92,509–00
46	प्राणिकी अध्ययनशाला	1,01,700	77,881–87
47	भौमिकी अध्ययनशाला	2,95,400	99,890–00
48	प्रा. भा. ई. सं. पु. अ.	76,000	45,884–18
49	युनिवर्सिटी सर्विस एण्ड इन्स्ट्रूमेन्टेशन सेन्टर	3,00,000	1,31,536–34
50	अतिथि गृह	4,00,000	99,905–28
51	संस्कृत अध्ययनशाला	88,500	66,467 .00
52	हिन्दी अध्ययनशाला	45,300	27,613–00

क्र.	व्यय के मद	पुनरीक्षित अनुमान 1987–88	वास्तविक व्यय 1987–88
53	अंग्रेजी अध्ययनशाला	70,500	63,498–40
54	अर्थशास्त्र अध्ययनशाला	55,700	43,079–00
55	राजनीति अध्ययनशाला	64,500	57,746–00
56	पुस्तकालय विज्ञान विभाग	30,700	587–00
57	सिन्धिया प्राच्य संस्थान	3,12,000	2,56,525–89
58	अन असाईण्ड ग्रान्ट	35,000	25,898–50
59	महाविद्यालयीन विकास परिषद्	—	—
60	केन्द्रीय पुस्तकालय	3,00,000	—
61	विश्वविद्यालय मुद्रणालय	1,000	—
62	मानविकी एवं विज्ञान विभागों में नवीन उपकरणों की स्थापना	—	—
63	व्यवसाय प्रबन्ध	65,900	59,460–70
64	अध्यापक आवास गृह (छठी योजना)	2,50,000	45,404–60
65	बिल्डिंग फेकल्टीज काम्पलेक्स	2,00,000	1,08,065–68
66	अध्यापक आवास गृह पंचम योजना	1,000	2,820–34
67	प्रसिद्ध विद्वानों को आमंत्रण	50,000	33,159–79
68	अध्यापक आवास गृह सातवीं योजना	—	—
69	अंग्रेजी भाषा अध्ययन केन्द्र	—	—
70	अध्यापक छात्र वृत्तियां	1,00,000	76,345–92
71	कम्प्युटर सेन्टर	—	—
72	विद्यार्थी सुविधाएँ	5,000	—
73	प्राणिकी वनस्पति एवं प्रा. मा. ई. सं. के लिये मिनीबस	—	—
74	कम्प्युटर सेन्टर की स्थापना	—	—
75	कम्प्युटर साइन्स अप्लीकेशन में पत्रोपाधि पाठ्यक्रम	—	—

क्र.	व्यय के मद	पुनरीक्षित अनुमान 1987–88	वास्तविक व्यय 1987–88
76	क्रीड़ा उपकरण	1,50,000	1,00,000–00
77	राजनीति विज्ञान विभाग में यू. एल. पी. का क्रियान्वयन	1,75,000	—
78	प्रशासकीय भवन के उपस्कर (राज्य शासन)	—	—
79	वनस्पति विभाग को विशिष्ट विभाग में उन्नत करने हेतु विशेष अनुदान (राज्य शासन)	—	—
80	छठी पंचवर्षीय योजना के भवनों की बढ़ी हुई कीमत	—	—
	योग भाग 4	39,59,400	21,45,391–72
	भाग 5–प्रौढ़ सतत् शिक्षा केन्द्र :		
81	प्रौढ़ सतत् शिक्षा केन्द्रों के संचालन पर व्यय	23,55,401	11,42,315–95
	योग भाग 5	23,55,401	11,42,315–95
	योग भाग 1, 2, 3, 4 एवं 5	5,07,35,501	3,84,45,334–20
	अन्तिम अवशेष विक्रम विश्वविद्यालय एवम् माधव महाविद्यालय		35,01,852–07
	महायोग		4,19,47,186 27

(परिशिष्ट क्रमांक—2)

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन

सन् 1987 की परीक्षाओं में स्वर्ण-पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
1	1859	कु. स्वाती दुबे राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला, विक्रम विश्व-विद्यालय, उज्जैन को एम. ए. (सामाजिक विज्ञान संकाय) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में।
2	7417	कु. ज्योति दवे माधव महाविद्यालय, उज्जैन को बी. ए. 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में।
3	627	कु. सीमा अरोरा माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन को एम. एससी. (जीव विज्ञान संकाय) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में।
4	888	विश्वजीत अखलेचा शासकीय महाविद्यालय, खरगोन को बी. एससी. 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने उपलक्ष में।
5		रिक्त शासकीय अभियांत्रिक महाविद्यालय, उज्जैन को बी. ई. 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में।
6	1239	सन्तोषकुमार धाकिया माधव महाविद्यालय, उज्जैन को एम. कॉम. 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में।

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
7	3909	**विनोदकुमार जैन** माधव महाविद्यालय, उज्जैन को बी. कॉम. 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
8	2	**अनिलकान्त पुरन्धरे** शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन को एम. एड्. 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
9	191	**श्रीमती नीरजा वर्मा** लोकमान्य तिलक शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन को बी. एड् 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
10	62	**कु. अनिता याज्ञिक** शासकीय कन्या महाविद्यालय, उज्जैन को एम. एससी. (गृहविज्ञान) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
11	300	**कु. दीपाली सोगानी** शासकीय कन्या महाविद्यालय, उज्जैन को बी. एससी. (गृहविज्ञान) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
12		**रिक्त** शासकीय धनवन्तरि आयुर्वेद महाविद्यालय, उज्जैन को बी. ए. एम. एस. 1987 की परीक्षा में पाँचों भागों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में । **प्रदत्त स्वर्ण-पदक** **पद्मश्री डॉ. रघुनाथ कृष्ण फड़के स्वर्ण-पदक**
13	613	**कु. कल्पना ठाकरे** शासकीय कन्या महाविद्यालय, उज्जैन को एम. ए. (कला सकाय) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
		श्री स्वामी विष्णुतीर्थ संन्यास आश्रम, देवास–स्वर्ण-पदक
14	495	**शितांशु रथ**
		संस्कृत अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन को एम. ए. (संस्कृत) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्री चन्द्रशेखर विश्वनाथ प्रसाद मिश्र स्वर्ण-पदक
15	416	**शैलेन्द्रकुमार शर्मा**
		हिन्दी अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. ए (हिन्दी) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		कविवर्य भास्कर रामचन्द्र तांबे-स्वर्ण-पदक
16	8050	**कु. वीना गोखले**
		माधव महाविद्यालय, उज्जैन को बी. ए. भाग–3 1987 की परीक्षा में मराठी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्रीमती कृष्णादेवी दीक्षित–स्वर्ण-पदक
17	4668	**कु. राखी श्रीवास्तव**
		शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन को बी. ए. भाग–3 1987 की परीक्षा में गृह-विज्ञान विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्री युधिष्ठिर मार्गव–स्वर्ण-पदक
18	118	**कु वर्षा क्षीरसागर**
		गणित अध्ययनशाला उज्जैन को एम. एससी. (विज्ञान संकाय) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
		हिजहोलीनेस हसन नूरानी मलक साहब, नागपुर
		स्वर्ण-पदक
19	627	**कु. सीमा अरोरा**
		माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन को एम. एससी. (प्राणिकी) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		पंडित रामप्रसाद भार्गव विधि--स्वर्ण-पदक
20	910	**सुरेन्द्रप्रकाश शर्मा**
		सान्दीपनि महाविद्यालय, उज्जैन को एलएल. बी. 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्री एल. जी. नेने मेमोरियल--स्वर्ण-पदक
21	757	**सुशीम एस. पगारे**
		शासकीय महाविद्यालय, धार को एम. ए. (इतिहास) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		डॉ. के सी. धानुका--स्वर्ण-पदक
		रिक्त
		माधव महाविद्यालय, उज्जैन को एम. कॉम (व्यवसाय प्रशासन) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		प्रोफेसर एल. पी. मल--स्वर्ण-पदक
23	526	**कु. विनिता मल**
		वनस्पति अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. एससी (वनस्पति विज्ञान) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्रीमती तारा धानुका--स्वर्ण-पदक
24		**रिक्त**
		पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन पर्सनल मेनेजमेंट एण्ड इण्डस्ट्रियल रिलेशन वर्ष 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
		वराह मिहिर- स्वर्ण-पदक
25	118	**कु. वर्षा क्षीरसागर**
		गणित अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. एससी. (गणित) वर्ष 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		प्रो. डी. एन पोतनवीस–स्वर्ण-पदक
26	108	**कु. जयिनी अध्यापक**
		अंग्रेजी अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. ए. (अंग्रेजी-साहित्य) वर्ष 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्री विष्णुपंत माड़ेकर–स्वर्ण-पदक
27		**रिक्त**
		शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, उज्जैन को बी. ई. (विद्युतीय) परीक्षा वर्ष 1987 में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

सन् 1987 की परीक्षाओं में रजत-पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
1	614	**कु. लक्ष्मी गोलानी** शासकीय कन्या महाविद्यालय उज्जैन को एम. ए (कला संकाय) वर्ष 1987 की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
2	2916	**तपन चौरे** अर्थशास्त्र अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. ए. (सामाजिक विज्ञान संकाय) वर्ष 1987 की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
3	112	**शीलसिन्धु पाण्डेय** गणित अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन को एम. एससी. (विज्ञान संकाय) 1987 की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
4	526	**क विनीता महल** वनस्पति विज्ञान अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. एससी. (जीव विज्ञान संकाय) 1987 की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
5	625	**विश्वास जैन** शासकीय महाविद्यालय, मन्दसौर को एम. कॉम. 1987 की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
6	5	**गोविन्दप्रसाद मिश्रा** शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन को एम. एड. 1987 की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
		प्रोफेसर भगवन्तशरण जौहरी–रजत-पदक
7	415	कु. नन्दिनी तिवारी
		हिन्दी अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. ए. (हिन्दी) 1987 की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्रीमती वसुन्धरा प्रभाकर काले–रजत-पदक
8	573	कु. सुरेखा गुंजाल
		माधव महाविद्यालय, उज्जैन को एम. ए. (मराठी) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्री कन्हैयालाल गंगाराम स्वर्णकार–रजत-पदक
9	993	देवेन्द्र सोलंकी
		प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति अध्ययन-शाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन को एम. ए. (प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्रीमती वृजरानी जौहरी–रजत-पदक
10	3748	कु. कविता बंसल
		शासकीय कन्या महाविद्यालय, उज्जैन को एम. ए. (समाजशास्त्र) 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्री एम के पण्ड्या–रजत-पदक
11	6363	कु. रेणुका सोनी
		शासकीय बा. कृ. श. महाविद्यालय, शाजापुर को बी. ए. भाग–3 1987 की परीक्षा में संस्कृत विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
		श्रीमती वसुन्धरा प्रभाकर काले–रजत पदक
12	8050	**कु. मीना गोखले** माधव महाविद्यालय, उज्जैन को बी. ए. भाग–3 1987 की परीक्षा में मराठी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्रीमती सरस्वतीबाई एम. के. पण्ड्या–रजत पदक
13	382	**कु. नीमा चौधरी** रसायन अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. एससी. रसायन 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		कुमारी अनिला पुजारा रजत–पदक
14	617	**कु. वन्दना श्रीवास्तव** शासकीय महाविद्यालय, रतलाम को एम. एससी. (प्राणिकी) 1987 की परीक्षा में इकथियोलॉजी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		डॉ नीलरतन धर–रजत-पदक
15	226	**कु. मंजुबाला पोरवाल** शासकीय महाविद्यालय, बड़वानी को बी. एससी. भाग–3 1987 की परीक्षा में रसायन विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		डॉ. शंकर श्रीधर देशपाण्डे–रजत-पदक
16	9428	**मनोजकुमार उमादेवन** शासकीय महाविद्यालय, राजगढ़ को बी. एससी भाग–1 1987 की परीक्षा में रसायन विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।

क्रमांक	अनुक्रमांक	परीक्षार्थी का नाम
		श्री अमृतलाल जैन–रजत-पदक
17		**रिक्त**
		शासकीय महाविद्यालय, नीमच को बी. कॉम. भाग–3 1987 की परीक्षा में लेखाकर्म एवं व्यावसायिक सम्नियम विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		प्रो. डी. एम. बोरगांवकर–रजत-पदक
18	108	**कु. जयिनी अध्यापक**
		अंग्रेजी अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन को एम. ए. अंग्रेजी साहित्य 1987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		श्री एम. डी. तलेगांवकर–रजत-पदक
19	9680	**दीपेन्द्रकुमार जैन**
		शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रतलाम को बी. एससी भाग–1 1987 की परीक्षा में अंग्रेजी भाषा विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के उपलक्ष में ।
		डॉ. बी. एस. दुबे– रजत-पदक
20	179	**कु. मीताली शिरगांवकर**
		भौतिकी अध्ययनशाला, उज्जैन को एम. एससी. भौतिकी । 987 की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में ।

(परिशिष्ट क्रमांक 3)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

मार्च, अप्रेल 87–88 में आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के लिए पंजीयित परीक्षार्थियों का संख्या पत्रक

क्र.	परीक्षा का नाम	संख्या	क्र.	परीक्षा का नाम	संख्या
1	एस. एससी. (पूर्वार्ध)	988	2	एम एससी (उत्तरार्ध)	455
3	एम. ए. (पूर्वार्ध)	5937	4	एम. ए. (उत्तरार्ध)	2916
5	एम. कॉम. (पूर्वार्ध)	1460	6	एम. कॉम. (उत्तरार्ध)	1422
7	एम. एड्.	15	8	एम. लिब.	09
9	एम. एससी. (गृहविज्ञान) (पूर्वार्ध)	33	10	एम. एससी (गृहविज्ञान) (उत्तरार्ध)	24
11	एलएल. एम. भाग-1	130	12	एलएल एम. भाग–2	38
13	एलएल. बी. भाग-1	1547	14	एलएल. बी. भाग–2	1008
15	एलएल. बी. भाग–3	684	16	बी. ए. भाग–3	8398
17	बी. ए. भाग–2	10652	18	बी. एससी. भाग–2	2754
19	बी. एससी. भाग–3	2101	20	बी. कॉम. भाग -1	3974
21	बी. कॉम. भाग–2	5051	22	बी. कॉम. भाग–3	4028
23	बी. एससी. (गृह-विज्ञान) भाग–1	43	24	बी. एससी (गृह-विज्ञान) भाग–2	64
25	बी. एससी. (गृह-विज्ञान) भाग–3	67	26	बी. लिब. एससी.	19
27	बी. ए. भाग–1	16914	28	बी. एससी भाग–1	3184
29	बी. एड्.	527	30	बी. ई. भाग–1	78
31	बी. ई. भाग–2	246	32	बी. ई. भाग–3	195
33	बी. ई. भाग–4	155	34	बी. ई. भाग–5	110
35	पी. टी. बी. सी.	30	36	एम. एससी. (अप्लाईड मेथ्स)	19
37	बी. ए. एम. एस. भाग–4	10	38	प्रि आयुर्वेद	28

क्र	परीक्षा का नाम	संख्या	क्र.	परीक्षा का नाम	संख्या
39	डिप्लोमा इन रशियन	03	40	सी. डिप्लोमा इन रशियन	01
41	सर्टिफिकेशन इन रशियन	12	42	एम फिल रसायन	15
43	एम. फिल. प्राणिकी	14	44	एम. फिल. वनस्पति	11
45	एम. फिल. राजनीति विज्ञान	23	46	डिप्लोमा इन बिजनेस मेनेजमेंट	14
47	एम. फिल (भौतिकी)	09	48	एम. फिल. गणित	06
49	एम फिल. (अर्थशास्त्र)	21	50	बी. ए. एम. एस.–1	12
51	बी ए. एम. एस. भाग–2	11	52	बी ए एम एस. भाग–5	11
53	बी. ए एम. एस. भाग–3	12	54	एम. फिल. भौमिकी	11
55	एम. फिल. हिन्दी	15	56	एम. एससी. (टेक) भौमिकी	10
57	पी. टी. डी. सी. भाग–2	64	58	पी. टी. डी. सी भाग–3	70
59	पी. टी डी. सी. भाग–4	30	60	एम. फिल सांख्यिकी	03
61	एम. फिल. अंग्रेजी	12	62	एम. फिल. (प्रा. भा. ई.)	09
63	डिप्लोमा टुरिजी एम	03	64	डिप्लोमा म्युजियोलाजी	01
65	बी. ए. अतिरिक्त	117			

कुल योग 75396

(परिशिष्ट क्रमांक 4)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

अन्तर-महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के स्थान व परिणाम वर्ष 1987–88

क्र 1	खेल का नाम 2	प्रतियोगिता का स्थान 3	विजेता 4	उप–विजेता 5
1	क्रिकेट (रतलाम झोन) (उज्जैन झोन)	शा. कला/विज्ञान महा., रतलाम आयोजित नहीं हुआ।	—	—
2	मलखम्ब	शा. महा., खाचरौद	—	—
3	हाकी	शा. महा., मन्दसौर	शा. महा., मन्दसौर	शा. महा., खरगौन
4	टेबल–टेनिस (पुरुष)	शा. महा., खरगौन	शा. महा. खरगौन	शा. अभि. महा., उज्जैन
5	टेबल–टेनिस (महिला)	शा. कन्या महा., उज्जैन	शा. महा., जावरा	वि. वि. अध्ययनशाला, उज्जैन
6	बैड मिंटन (पुरुष)	शा. कला/विज्ञान महा., रतलाम	शा. महा.. मन्दसौर	माधव महा., उज्जैन
7	बैड मिंटन (महिला)	शा. कन्या महा., रतलाम	शा. महा., मन्दसौर	शा. कन्या महा., उज्जैन
8	एथेलेटिक्स (पुरुष व महिला)	शा. कला/विज्ञान महा., रतलाम	शा. महा., नीमच (महिला) शा. महा., नीमच (पुरुष)	शा. कन्या महा., रतलाम (महिला) शा. महा., खरगोन (पुरुष)

क्र.	खेल का नाम	प्रतियोगिता का स्थान	विजेता	उप-विजेता
1	2	3	4	5
9	खो–खो (महिला)	श्री सीताराम जाजू शा. कन्या महा., नीमच	ज्ञान मंदिर महा., नीमच,	शा. महा., बड़वाह
10	खो–खो (पुरुष)	शा. महा., धार	शा. महा., धार	शा. महा., बड़वाह
11	कबड्डी (पुरुष) (उज्जैन झोन)	—	—	आयोजन नहीं हुआ
12	कबड्डी (पुरुष) (रतलाम झोन)	शा. महा., बड़वानी	शा. महा., झाबुआ	शा. महा., बड़वानी
13	फुटबाल	शा. महा., नीमच	शा. महा., नीमच	माधव महा., उज्जैन
14	टेनिस	शा. महा., धार	माधव महा., उज्जैन	शा. महा., धार
15	शतरंज	सान्दीपनि महा., उज्जैन	शा. अभि. महा., उज्जैन	माधव विज्ञान महा., उज्जैन
16	वास्केटबाल (पुरुष)	शा. महा., जावरा	शा. महा., आगर-मालवा,	शा. वाणिज्य महा., रतलाम
17	वास्केटबाल (महिला)	शा. कन्या महा., रतलाम,	शा. कन्या महा., रतलाम	शा. महा., आगर-मालवा
18	भारोत्तोलन एवम् शरीर (सौष्ठव)	शा. महा., बड़नगर	शा. महा., बड़नगर,	माधव महा., उज्जैन

क्र.	खेल का नाम	प्रतियोगिता का स्थान	विजेता	उप-विजेता
1	2	3	4	5
19	क्रास कंट्री दौड़ (प्रथम)	शा. महा., नुसनेर	शा. महा., नीमच	शा. महा., मन्दसौर
20	द्वितीय	शा. महा., शुजालपुर	शा. महा., नीमच	शा. महा., मन्दसौर

(परिशिष्ट क्रमांक—5)

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन

विभिन्न क्रीड़ा दलों की चयन-समिति की सूची

क्रमांक	खेल का नाम	सदस्य चयन-समिति	महाविद्यालय
1	क्रिकेट	1 श्री व्ही. एस. श्रीवास्तव	आंवलेकर निवास, उज्जैन
		2 श्री यू. एस. राठौर	मालीपुरा, उज्जैन
		3 श्री बी. के शर्मा	शा. कला/विज्ञान महा., रतलाम
2	जिमनास्टिक	1 श्री आर. एल. अमेरिया	माधव विज्ञान महा., उज्जैन
		2 श्री गोपाल बंसल	डी. एस. ऑफिस, रतलाम
		3 श्री एम. एस. करारे	शा. महा., नीमच
3	मलखम्ब	1 श्री आर. एल. अमेरिया	माधव विज्ञान महा., उज्जैन
		2 श्री पी परमार	शा. महा., खाचरौद
		3 श्री के. एस. श्रीवास्तव	स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, उज्जैन
4	हॉकी	1 श्री एम. रायकवार	शा. महा., खरगोन
		2 श्री एम. एल. मसानिया	शा. महा., मन्दसौर
		3 श्री आर. एस. डोरिया	शा. महा., बड़वानी
5	तैराकी	1 श्री बी. एस. भटनागर	माधव विज्ञान महा., उज्जैन
		2 श्री बी. एल. टेलर	माधव महा., उज्जैन
6	टेबल-टेनिस (महिला)	1 श्रीमती कुमुदीनि देव	शा. कन्या महा., उज्जैन
		2 श्री ए. एन पालीवाल	शा. महा., जावरा
		3 श्री एस. आय. सिद्दीकी	माधव महा., उज्जैन
7	टेबल-टेनिस (पुरुष)	1 श्री एम जी. नाडकर्णी	शा. महा., जावरा
		2 श्री बी के. साठे	शा. महा., खरगोन
		3 श्री मेहबूब खान	म. प्र. टे. टे. तकनिकी समिति सदस्य
8	बेडमिंटन (महिला)	1 श्री बी एल. डबरिया	शा. कन्या महा., रतलाम
		2 श्रीमती सुषमा कटारे	शा. कला विज्ञान महा., रतलाम
9	बेडमिंटन (पुरुष)	1 श्री आर. सी. मोहन	शा. महा., जावरा
		2 श्री बी. एस. कृष्णवाह	शा. कला/विज्ञान महा., रतलाम
		3 श्री देवेन्द्रसिंह	शा. महा., मन्दसौर

क्र.	खेल का नाम	सदस्य चयन-समिति	महाविद्यालय
10	एथेलेटिक्स (महिला)	1 श्री एल. सी. बिरथरे	जयजवान महा., तराना
		2 श्री जे. सी. श्रीवास्तव	शा. महा., शुजालपुर
		3 कु. विमला चतुर्वेदी	शा. कन्या महा., रतलाम
		4 श्री छगनसिंह	शा. महा., जोबट
11	एथेलेटिक्स (पुरुष)	1 श्री देवेन्द्रसिंह	शा. महा., मन्दसौर
		2 श्री एन. आर. भावे	सती दरवाजा, उज्जैन
		3 श्री बी. एस. कुशवाह	शा. कला/विज्ञान महा., रतलाम
		4 श्री व्हाय. आर. पँवार	शा., महा., बदनावर
12	खो-खो (पुरुष)	1 श्री आर. एस. नागर	शा. कला/विज्ञान महा., रतलाम
		2 श्री एस. के. नाईक	शा महा., धार
		3 श्री पी. मसीही	शा. महा., धार
13	खो-खो (महिला)	1 हरनारायण दीवान	ज्ञान मन्दिर सहा., नीमच
		2 श्री एम. एस. करारे	शा. महा. नीमच
		3 श्री ए. एस. बैस	शा. कन्या महा., रतलाम
14	कबड्डी (पुरुष)	1 श्री आर. एस. डोरिया	शा. महा., बड़वानी
		2 श्री पी. परमार	शा. महा., खाचरौद
		3 श्री आर. एस. चौधरी	—
15	क्रास कंट्री दौड़	1 श्री चैनसिंह पँवार	राजनीति अ. शा., वि. वि., उज्जैन
		2 श्री जी. बी. सक्सेना	शा. महा., शाजापुर
16	फुटबाल	1 श्री देवेन्द्रसिंह	शा. महा., मन्दसौर
		2 श्री एस. सी. राघवयो	शा. महा., मन्दसौर
		3 श्री हरनारायण दीवान	ज्ञान मन्दिर महा., नीमच
		4 श्री पी. एस. मसीह	शा. महा., धार
17	टेनिस	1 श्री जे. पी. श्रीवास्तव	शा. महा., खरगोन
		2 श्री डी. एम. शर्मा	शा. महा., धार
18	भारोत्तोलन एवं शरीर सौष्ठव	1 श्री मदन श्रीवास्तव	जयजवान महा., तराना
		2 श्री शफाअत खाँ	शा. कला/विज्ञान महा., रतलाम
		3 श्री शरद नागर	शा. महा., बड़नगर

क्र.	खेल का नाम	सदस्य चयन-समिति	महाविद्यालय
19	शतरंज	1 श्री के. एम. राव	माधव विज्ञान महा., उज्जैन
		2 श्री एम. एल. शर्मा	सान्दीपनि महा., उज्जैन
20	बास्केटबाल (पुरुष)	1 श्री वी पी रिछारिया	शा. महा., जावरा
		2 श्री विवाकर मण्डलोई	शा. महा., मन्दसौर
		3 श्री गोपाल मजावदिया	शा. महा., नागर-मालवा
21	बास्केटबाल (महिला)	1 श्री बी. एन. तिवारी	शा. महा , थांवला
		2 श्री ए. एस. बैस	शा. कन्या महा., रतलाम

(परिशिष्ट क्रमांक 6)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

अन्तर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में भाग लेने बाबत् जानकारियां

क्र.	खेल का नाम	व्यवस्थापक का नाम	अन्तर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता का स्थान
1	2	3	4
1	जिमनास्टिक	श्री आर. एल अमेरिया,	गुरु घासीदास विश्व-विद्यालय, बिलासपुर
2	मलखम्ब	श्री पी. परमार,	वही –
3	हाकी	श्री आर. एस. डोरिया,	अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती
4	तैराकी	श्री हरीश प्रधान,	कलकत्ता विश्वविद्यालय कलकत्ता
5	टेबल-टेनिस (पुरुष)	श्री एम. जी. नाडकर्णी,	देवी अहिल्या विश्व-विद्यालय, इन्दौर
6	टेबल-टेनिस (महिला)	श्रीमती उषा जैन	वही –
7	बेडमिंटन (पुरुष)	श्री एम. एन. गुप्ता,	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर
8	बेडमिंटन (महिला)	श्रीमती उल्का यादव,	– वही –
9	एथेलेटिक्स (पुरुष)	श्री जी. एस सिसौदिया	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
10	एथेलेटिक्स (महिला)	कु. शकुन्तला सिंह	– वही –
11	खो-खो (पुरुष)	श्री जे. सी. श्रीवास्तव,	गुजरात कृषि विश्व-विद्यालय, आनन्द
12	खो-खो (महिला)	श्रीमती उषा मसीह,	एम. एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा

क्र	खेल का नाम	व्यवस्थापक का नाम	अन्तर-विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता का स्थान
1	2	3	4
13	कबड्डी (पुरुष)	श्री बी. एस. सक्सेना	शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
14	क्रास कन्ट्री दौड़	श्री चेनसिंह पंवार	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
15	फुटबाल	श्री देवेन्द्रसिंह	हरिसिंह गौड़ विश्व-विद्यालय, सागर
16	टेनिस	श्री डी. एम. शर्मा,	अन्नामलाई विश्व-विद्यालय, अन्नामलाई नगर
17	भारोतोलन एवम् शरीर (सौष्ठव)	श्री मदन श्री वास्तव,	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर
18	वास्केटबाल (पुरुष)	श्री डी. जी. मण्डलोई,	जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर
19	वास्केटबाल (महिला)	कु लक्ष्मी श्रीवास्तव,	सरदार पटेल विश्व-विद्यालय, वल्लभनगर

(परिशिष्ट क्रमांक 7)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

विक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न खेल दलों के प्रशिक्षण शिविर बाबत् जानकारी वर्ष 1987–88

क्र.	खेल का नाम	प्रशिक्षक का नाम	शिविर अवधि	शिविर का स्थान
1	2	3	4	5
1	टेबल-टेनिस (पुरुष व महिला)	श्री शरद चाँदोरकर	24-11-87 से 30-11-87	वि. वि. जिमनाशियम हाल, उज्जैन
2	बैड मिटन (पुरुष व महिला)	श्री बी. एल. डवरिया,	13-12-87 से 19-12-87	शा. कन्या महा. रतलाम
3	एथेलेटिक्स (पुरुष व महिला)	श्री बी. एस. कुशवाह,	28-12-87 से 8-1-88	शा. कला विज्ञान महा., रतलाम
4	खो-खो (महिला)	श्री व्हाय आर. पंवार,	9-1-88 से 18-1-88	ज्ञान मन्दिर महा., नीमच
5	कबड्डी (पुरुष)	श्री पी. के. कबठेकर,	20-11-87 से 29-11-87	माधव विज्ञान महा., उज्जैन
6	क्रास कन्ट्री दौड़	श्री व्हाय आर. पंवार,	8-10-87 से 14-10-87	शा. महा., नीमच
7	फुटबाल	श्री हरनारायण दीवान,	5-10-87 से 12-10-87	ज्ञान मन्दिर महा., नीमच
8	भारोतोलन एवं शरीर (सौष्ठव)	श्री शरद नागर,	9-1-88 से 15-1-88	शा. महा., बड़नगर

क्र.	खेल का नाम	प्रशिक्षक का नाम	शिविर अवधि	शिविर का स्थान
1	2	3	4	5
9	बास्केटबाल (पुरुष)	श्री गोपाल मजावदिया,	24-11-87 से 3-12-87	शा. महा., आगर-मालवा
10	बास्केटबाल (महिला)	श्री बी. एल. डवरिया,	17-10-87 से 26-10-87	शा. कन्या महा., रतलाम

अध्ययनशालाओं की

क्रमांक	प्राध्ययन केन्द्र	अध्यक्ष	शिक्षण क्रम
1	2	3	4
1	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व	डॉ. कैलाशचन्द्र जैन	एम.ए., एम. फिल., पीएच. डी.
2	अंग्रेजी	डॉ. डी. एस. ताटके	एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी.
3	हिन्दी	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी	एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी.
4	अर्थशास्त्र	डॉ. आर. एम. गोयल (दिनांक 31-5-88) डॉ. ए. के. भट्टाचार्य (दिनांक 1 जून, 1988 से)	एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी.
5	राजनीति विज्ञान	डॉ. रामसखा गौतम	एम. ए., एम. फिल. पीएच. डी.
6	संस्कृत	श्री एस. एन. रथ	एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी.
7	पुस्तकालय विज्ञान	डॉ. एस. एस. अग्रवाल	बी. लिब. एससी., एम. लिब. एससी.
8	भौतिकी	डॉ. एम. पी. वर्मा	एम. एससी., एम. फिल., पीएच. डी.
9	रसायन	डॉ. वी. आर. शास्त्री	एम. एससी., एम. फिल., पीएच. डी.

जानकारी (परिशिष्ट क्रमांक 8)

विद्यार्थियों की संख्या	शिक्षकों की संख्या	पीएच.डी. उपाधि हेतु पंजीकृत छात्रों की संख्या	पुस्तकों की संख्या	विशेष विवरण
5	6	7	8	9
42	8	15	2212	दिनांक 15-3-88 से 20-3-88 तक अध्ययन प्रवास किया।
77	5	12	732	—
37	6	22	937	भाषाई आधार पाठ्यक्रम 1986–87 का आयोजन किया गया।
66	5	36	—	1 म. प्र. आर्थिक परिषद् का वार्षिक अधिवेशन। 2 पर्यटन स्थलों पर आदिवासी लोगों का आर्थिक सर्वेक्षण।
92	5	32	—	1 पं जवाहरलाल नेहरू पर राष्ट्रीय सेमिनार। 2 भारतीय और अमरीकी राजनीतिक व्यवस्था के तुलनात्मक अध्ययन पर कार्यशाला। 3 डॉ. रामसखा बौतम ने बैंगलोर में और डॉ. चेनसिंह पँवार ने हैदराबाद में सम्मेलन में भाग लिया।
15	5	—	—	—
26	3	6	830	—
57	9	10	3582	—
59	12	—	—	—

1	2	3	4
10	प्राणिकी	डॉ. जी. एन. जौहरी	एम. एससी., एम. फिल., पीएच. डी.
11	वनस्पति विज्ञान	डॉ. एस. के. चौहान	एम. एससी., एम. फिल., पीएच. डी.
12	भौतिकी	डॉ. के. के. सिंह	एम. एससी., एम. फिल., पीएच. डी.
13	गणित	डॉ. जी. एस. पाण्डे	एम. एससी., एम. फिल., पीएच. डी.
14	सांख्यिकी	डॉ. जीवनसिंह	एम. एससी., एम. फिल., पीएच. डी.

5	6	7	8	9
—	—	—	—	—
33	7	13	3363	1 प्रति मंगलवार एवं शनिवार संगोष्ठी का आयोजन । 2 15 दिन का अध्ययन प्रवास ।
47	5	13	2750	1 दो अध्ययन प्रवासों का आयोजन । 2 भारतीय औद्योगिक तकनीकी संस्थान, कानपुर के डॉ. ए के. भट्टाचार्य का विस्तार सम्भाषण आयोजित किया गया । 3 डॉ. एस. एन. पाण्डे, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ने विस्तार व्याख्यान दिया । 4 शिक्षण विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रो. जी एन. सक्सेना ने व्याख्यान दिया । 5 प्रो. जोखनसिंह एवं प्रो. के. पी. सक्सेना, सांख्यिकी अध्ययनशाला ने भू-सांख्यिकी पर व्याख्यान दिये ।
—	—	—	—	—
—	—	—	1940	1 डॉ. जोखनसिंह ने भारतीय प्रायिकता एवं सांख्यिकी सोसायटी के वार्षिक अधिवेशन में भाग लिया । 2 डॉ. जोखनसिंह एवं डॉ. आर. सी. जैन ने जयपुर में आयोजित समर इंस्टिट्यूट में भाग लिया । 3 डॉ. जसराजसिंह ने मदुराई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया । 4 डॉ. प्रवीण गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित गोष्ठी में भाग लिया ।

1	2	3	4
15	रशियन विभाग	(डॉ.) श्रीमती उमा परिहार	सर्टिफिकेट डिप्लोमा एवं सीनियर डिप्लोमा इन रशियन
16	व्यवसाय प्रबंध	डॉ. एम. एल. कोठारी	सेविवर्गीय प्रबन्ध एवम् औद्योगिक सम्बन्ध स्नातकोत्तर डिप्लोमा

5	6	7	8	9
37	2	—	1047	—
33	1	8	—	1 गोवा का दस विवस का अध्ययन प्रवास । 2 शोध के विभिन्न पहलुओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला ।

सम्बद्ध महाविद्यालयों

क्र.	महाविद्यालय	प्राचार्य	शिक्षणक्रम	
			स्नातक	स्नातकोत्तर
1	2	3	4	
1	शा. नेहरू महावि., आगर (मालवा)	डॉ. जी. पी. भटनागर	बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम., एलएल.बी.	एम.ए. (राज., अर्थ., हिन्दी) एम.कॉम.
2	शा. महा. अंजड़	डॉ. एस. एस. हसूरकर	बी.ए., बी.कॉम.	—
3	शा. कला एवम् वाणिज्य महा., अलीराजपुर	डॉ. देवराज सिंह	बी.ए., बी.कॉम बी एससी.	एम.ए. (राज. हिन्दी, समाज. अर्थशास्त्र) एम. कॉम.
4	शा. कला एवम् वाणिज्य महा., कन्नौद	श्री आर. सी. अत्रे	बी.ए., बी.कॉम बी. एससी.	—
5	शा. महा., बड़नगर	श्री. बी. एस. खोपकर	बी.ए.; बी.कॉम., बी.एससी.	एम.ए. (अर्थ.) एम.कॉम
6	जवाहरलाल नेहरू शा. महा., बड़वाह	डॉ. वाय. पी. भटनागर	बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम	एम.ए. (अर्थ. राज. विज्ञान) एम.कॉम.

की जानकारी (परिशिष्ट क्रमांक 9)

छात्र/छात्राओं की संख्या		शिक्षक संख्या	अनु. जाति के छात्र/ छात्राओं की संख्या		जनजाति के छात्र/ छात्राओं की संख्या		पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या	विशेष विवरण
छात्र	छात्राएँ		छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ		
5		6	7		8		9	10
380	172	22	28	9	2	1	6157	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 125,000 का अनुदान प्राप्त हुआ।
58	20	6	14	—	5	1	1536	
270	99	27	9	2	105	9	8356	देवी अहिल्या वि. वि. के एकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज के पाठ्य क्रमों में दो शिक्षकों ने भाग लिया।
96	32	5	1	1	10	—	755	मध्यप्रदेश शासन से रु. 2,90,000 का अनुदान प्राप्त हुआ।
263	72	22	11	—	5	—	—	
380	99	25	52	1	11	—	15500	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 25,000/- का अनुदान प्राप्त हुआ। देवी अहिल्या वि. वि. के एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज के पाठ्य-क्रम में एक शिक्षक ने भाग लिया।

1	2	3	4	
7	शा. महा., बड़वानी	डॉ. एस. वी. केलकर	बी.ए., बी.एससी. बी.कॉम., एलएल. बी.	एम.ए. (अंग्रेजी, हिन्दी, इतिहास, राज. विज्ञान) एम.कॉम. अर्थ., एम. एससी. (रसा. प्राणिकी)
8	शा. कन्या महा., बड़वानी	श्री एम. एस. गुजराल	बी. ए.	—
9	शा. महा., बदनावर	डॉ. संपूर्णानंद शास्त्री	बी.ए., बी.कॉम.	—
10	शा. महा., ब्यावरा	श्री पी. आर. हेतावल	बी.ए., बी.एससी.,	एम.ए. (समाज. राज. विज्ञान) एम.कॉम.
11	हू. चौ. महा., भानपुरा	श्री एस. एन. शर्मा	बी.ए., बी.कॉम.	—
12	श्री कृ. पा. शा. महा., देवास	केप्टन आर. के. राय	बी.ए., बी.एससी सैन्य विज्ञान बी. कॉम.	एम.ए. (राज. अर्थ., इतिहास) एम. कॉम (अंग्रेजी)
13	शा. कन्या महा., देवास	डॉ. बी. सी अजमेरा	बी.ए., बी.एससी., बी. कॉम.	एम. ए. (अर्थशास्त्र)
14	शा. शिक्षा महा., देवास	श्री एस. के. शर्मा	बी. एड.	—
15	शा. महा., धार	डॉ. जी. पी. जोशी	बी.ए., बी.एससी., बी. कॉम. एलएल. बी.	एम.ए. (हिन्दी, राजनीति, इतिहास, समाज शास्त्र, भूगोल) एवं एम. कॉम.

5		6	7		8		9	10
1028	149	56	48	8	218	18	1184	
—	133	7	—	5	—	7	1184	
112	37	8	9	—	4	—	2322	
363	74	19	19	—	—	—	6506	
122	64	11	15	1	—	—	4500	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 25000 एवं मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग से प्राप्त रु. 4938061 का अनुदान प्राप्त हुआ
538	134	46	89	2	2	—	—	—
—	300	14	—	4	—	—	1800	महाविद्यालय को मध्यप्रदेश शासन से रु. 1641601 का अनुदान प्राप्त हुआ
123	41	17	7	—	2	—	—	—
1003	150	61	73	—	173	1	—	1 वि. वि. अ. आयोग से रु. 457000 का अनुदान प्राप्त हुआ

1	2	3	4	
				(अंग्रेजी, अर्थ.)
16	शा. भगतसिंह महा., जावरा	श्री बी. एल. गीते	बी.ए., बी.एससी., बी कॉम.	एम.ए. (राज.) अर्थ. हिन्दी एवं एम.कॉम.
17	शा. महा., जोबट	श्री गजानन शर्मा	बी.ए., बी.कॉम.	—
18	शा. महा., झाबुआ	डॉ. आर.आर. अय्यर	बी.ए., बी.एससी., बी. कॉम., एलएल. बी.	एम.ए. (अर्थ., राज. विज्ञान, समाजशास्त्र, हिन्दी, अंग्रेजी, एम. कॉम., एम. एससी. प्राणिकी)
19	महात्मा गांधी महा., जावद	श्री देवीलाल अहीर	बी. कॉम.	—
20	शा. महा., खरगोन	डॉ. पी. एल. जैन	बी.ए., बी.एससी., बी. कॉम., एलएल. बी.	एम.ए. (अंग्रेजी, अर्थ., भूगोल, राजनीति विज्ञान, हिन्दी) एवं एम. कॉम. एम. एससी. (रसा., वनस्पति गणित, प्राणिकी, भौतिकी)

5	6	7	8	9	10
					2 वे. अ. वि. वि. एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज के पाठ्य क्रम में दो शिक्षकों ने भाग लिया
461 156	35	38	— 1 —	—	—
91 34	9	52	7 5 1	3720	महाविद्यालय को मध्यप्रदेश शासन से रु. 317000 का अनुदान प्राप्त हुआ
— —	—	—	— —	—	—
107 7	6	10	— —	1225	महाविद्यालय को अन्य स्रोतो से रु. 39851 का अनुदान प्राप्त हुआ
1301 156	52	184	12 138 —	1169	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 385000 एवं मध्यप्रदेश शासन से रु. 1001000 प्राप्त हुआ

1	2	3	4	
21	शा. कन्या महा., खरगोन	डॉ. जे. पी. श्रीवास्तव	बी. ए.	—
22	शा. कला एवम् वाणिज्य महा., खातेगाँव	डॉ. के. पी. नागर	बी.ए., बी.कॉम., बी. एससी.	—
23	शा. महा., खाचरौद	डॉ. व्ही. बी. कदमने	बी.ए., बी.कॉम., बी. एससी.	एम. ए. (अर्थ., समाजशास्त्र, राज. विज्ञान, एवं एम. कॉम.
24	शा. महा., मन्दसौर	डॉ. डी. एन. मिश्रराज	बी.ए., बी.एससी., बी. कॉम.	एम.ए., (हिंदी, अंग्रेजी, अर्थ., राज. विज्ञान, इतिहास,भूगोल, दर्शनशास्त्र) एवं एम. कॉम., एम. एससी. (रसायन, भौतिकी, प्राणिक, वनस्पति,गणित)
25	शा. कन्या महा., मन्दसौर	डॉ. पी. एन. खरे	बी. ए.	—
26	शा. महा., मण्डलेश्वर	डॉ. जे. के. द्विवेदी	बी.ए., बी.कॉम.	—
27	शा. महा., मनावर	श्री एच. एस. शर्मा	बी.ए., बी.एससी, बी. कॉम.	—
28	श्री ज. ने. विधि महा., मन्दसौर	श्री परसूराम पाटीदार	एलएल. बी.	—
29	जैन शिक्षा महा., मन्दसौर	श्री दिनेशचंद्र पाण्डेय	बी. एड.	—

5		6		7		8	9	10
—	207	7	—	10	–	10	2227	—
226	35	17	13	1	5	—	700	–
186	79	14	16	—	5	—	8378	महाविद्यालय को वि.वि., अनु आयोग से रु. 30000 का अनुदान प्राप्त हुआ
1262	210	62	101	3	3	1	29659	1 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 310000 का अनुदान प्राप्त हुआ 2 दे. अ. वि. वि. ए स्टॉफ कालेज के पाठ्यक्रम में 4 शिक्षकों ने भाग लिया
—	168	6	—	6	—	1	1070	मध्यप्रदेश शासन से रु. 23000 का अनुदान प्राप्त हुआ
189	36	6	37	4	4	2	—	—
321	47	13	50	3	109	9	2931	—
234	20	4	9	—	—	—	3120	—
46	12	9	4	1	—	—	—	—

1	2	3	4	
30	शा. महा., महिदपुर	श्री बी. एस. आर्य	बी.ए., बी.कॉम. बी. एससी.	एम.ए. (अर्थ-शास्त्र, भूगोल) एम. कॉम.
31	शा.रामचंद्र विश्वनाथ महा., मनासा	डॉ. शरद पगारे	बी.ए., बी.एससी. बी. कॉम.	एम.ए. (समाज.) एवं एम.कॉम.
32	शा. महा., मक्सी	डॉ. एल. एन. धूत	बी. ए.	—
33	शा. महा., नरसिंहगढ़	श्री हरिकृष्ण दत्त	बी.ए., बी.एससी., बी. कॉम.	एम ए. (अर्थ., राज. विज्ञान) एवं एम.कॉम.
34	शा. महा., नीमच	श्री के. डी. पाण्डारकर	बी.ए., बी.एससी. बी. कॉम.	एम.ए. (अर्थ., राजनीति एवं हिंदी) एम.कॉम.
35	शा. कन्या महा., नीमच	श्री एस. के. गुप्ता	बी.ए.	—
36	ज्ञानमंदिर महा., नीमच	श्रीमती कुमुद गुप्ता	बी.ए., एलएल.बी.	एम.ए. (हिंदी)
37	शा. महा., नागदा	श्री के. जे. भगत	बी.ए., बी एससी., बी.कॉम.	—
38	शा. महा., राजगढ़	डॉ. टी. एन. सक्सेना	बी.ए., बी एससी., बी.कॉम.;	एम.ए. (हिंदी, अर्थ., राजनीति

5	6	7	8	9	10
214 74	20	25 —	1 —	4819	1 मध्यप्रदेश शासन से रु. 848500 का अनुदान प्राप्त हुआ 2 शिक्षकों ने इन्दौर में स्टॉफ कॉलेज के पाठ्यक्रम में भाग लिया
229 85	16	16 —	1 —	—	—
20 7	6	1 2	— —	2055	देवी अहिल्या वि. वि. के एकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज के पाठ्यक्रम में तीन शिक्षकों ने भाग लिया
318 52	27	32 2	2 1	—	—
874 101	47	86 7	3 —	—	—
— 152	8	— 7	— 1	1264	मध्यप्रदेश शासन से रु. 466026 का अनुदान प्राप्त हुआ
254 197	9	13 5	— —	—	—
194 136	13	27 15	— —	900	मध्यप्रदेश शासन से रु. 77000 का अनुदान प्राप्त हुआ
397 100	26	21 —	3 —	—	—

1	2	3	4	
			एलएल. बी	शास्त्र, अंग्रेजी) एवं एम.कॉम., एम. एससी. (रसायन)
39	शा. महा., रामपुरा	डॉ. टी. के. द्विवेदी	बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम	एम.ए. (अर्थ., राज. विज्ञान, एम.कॉम., एम. एससी. (रसायन, वनस्पति, भौतिकी)
40	श्री ज. रा. कीमती कन्या महा., रामपुरा	सुश्री उषा सिंघल	बी.ए.	
41	शा. महा., रतलाम	डॉ. जयकुमार जलज	बी.ए., बी.एससी.	एम.ए. (अर्थ., अंग्रेजी, हिन्दी, राज. विज्ञान, इतिहास, भूगोल) एम. एससी., रसा., भौतिकी, वनस्पति, प्राणिकी, गणित सांख्यिकी)
42	शा. वाणिज्य महा., रतलाम	श्री श्रीपाद फड़के	बी.कॉम.	एम.कॉम.

5	6	7	8	9	10
322	35	27	8 — 2 —	19469	1 महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 256570 प्राप्त हुआ 2 दो शिक्षक ने इन्दौर में एकेडेमिक पाठ्यक्रम में भाग लिया
—	154	5	— — — —	3397	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 18380 प्राप्त हुआ तथा उच्च शिक्षा अनुदान आयोग से रु. 1850 का अनुदान प्राप्त हुआ
822	206	75	76 — 53 —	—	—
685	38	17	51 1 5 —	—	—

1	2	3	4	
43	शा. कन्या महा., रतलाम	श्रीमती सुस्मिता चटर्जी	बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम., बी.एससी. (गृहविज्ञान)	एम.ए. (हिंदी, संगीत, अर्थ-शास्त्र)
44	न.पा. विधि महा., रतलाम	श्री ईश्वरलाल व्यास	एलएल.बी.	—
45	शा. स्नातक महा., सेंधवा	श्री सी. के. तिवारी	बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी.	एम.ए. (अर्थ., भूगोल, हिंदी एम.कॉम. एवं राजनीति
46	शा. कला एवं वाणिज्य महा., सनावद	श्री विजय गी. आकरे	बी.ए., बी.कॉम.	—
47	शा. महा., सारंगपुर	डॉ. आर. डी. शर्मा	बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी.	—
48	शा. कला एवम् वाणिज्य महा., सुसनेर	डॉ. के. बी. लाल	बी.ए., बी.कॉम.	—

5		6	7		8		9	10
—	977	40	—	47	—	6	19000	1 महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु 5000 का अनुदान प्राप्त हुआ 2 चार शिक्षकों ने देवी अहिल्या वि वि. में आयोजित पाठ्यक्रम में भाग लिया
409	87	7	7	2	—	—	26500	
358	109	33	24	3	80	6	18063	महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 160280 का अनुदान प्राप्त हुआ 2 देवी अ. वि. वि. के एकेडेमिक कॉलेज में चार शिक्षकों ने भाग लिया।
189	59	8	22	3	2	1	850	—
191	34	12	33	—	—	—	412	—
88	20	7	9	—	2	—	800	—

1	2	3	4	
49	बा. कृ. श. न. शा. महा., शाजापुर	श्री पी.के. देशमुख	बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम., एलएल.बी.	एम.ए. (हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, राज. विज्ञान इति.) एम.कॉम.
50	ज. ने. स्मृति महा., शुजालपुर	डॉ. शिवदत्त शुक्ल	बी.ए., बी.एससी., बी. कॉम.,	एम.ए. (अर्थ., भूगोल एवम् एम.कॉम.
51	शा. महा., सोनकच्छ	श्री जी. नामदेव	बी.ए., बी.कॉम.	एम.ए. (राज. शास्त्र, अर्थ.)
52	शा. कन्या महा., उज्जैन	श्रीमती ममता दत्ता	बी.ए., बी.एससी, बी.एससी., (गृह विज्ञान)	एम.ए. (हिन्दी, अर्थशास्त्र, मनो., गृहवि., संगीत, चित्र., अंग्रेजी, समाजशास्त्र, इति., संस्कृत)
53	जय जवान महा., तराना	श्री एल. सी. बिरथरे	बी.ए., बी.कॉम.,	—
54	माधव महा., उज्जैन	डॉ. बी. जी. शर्मा	बी.ए., बी.कॉम., एलएल. बी.	एम.ए. (समाज. उर्दू, इतिहास, चित्र., भूगोल, मराठी, दर्शन) एम. कॉम. एवं एलएल. एम.
55	शा. शिक्षा महा., उज्जैन	—	बी. एड.	एम. एड.
56	सांदीपनि महा., उज्जैन	श्री नरेश भार्गव	बी.ए , बी.कॉम	एम.ए. (समाज., हिंदी, राजनीति अर्थशास्त्र)

5	6	7	8	9	10
593 152	45	— —	— —	—	—
593 152	28	99 —	— —	—	—
185 6	8	41 1	— —	3268	महाविद्यालय को मध्यप्रदेश शासन से प्राप्त अनुदान रु. 436157 प्राप्त हुआ
— 1129	56	— 10	— 2	—	—
140 63	12	23 1	3 —	1817	मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग से प्राप्त रु. 427341 प्राप्त हुआ
3455 163	74	428 18	152 10	67290	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 850000 अनुदान प्राप्त हुआ
138 73	18	7 3	7 —	—	—
— —	—	— —	— —	—	—

1	2	3	4	
57	शा. अभियांत्रिक महा., उज्जैन	डॉ. डी.एस. सक्सेना	बी.ई. पी.टी.डी.सी.	—
58	माधव विज्ञान महा., उज्जैन	डॉ. एस.एल. छजलानी	बी. एससी.	एम. एससी. (रसा., प्राणिकी, वनस्पति)
59	लो. तिलक शिक्षा महा, उज्जैन	श्रीमती प्रेम छाबड़ा	बी.एड.	—
60	शा. धन. आयु. महा., उज्जैन	डॉ. व्ही.एस. त्रिवेदी	आयुर्वेदाचार्य (बी.ए. एम.एस.)	—
61	सांदीपनि विधि महा., उज्जैन		एलएल.बी.	—
62	शा. कालिदास कन्या महा., उज्जैन	श्री चन्द्रकांत देवताले	बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी.	—
63	शा. महा., पेटलावद	श्री एस. पी दवे	बी.ए., बी. कॉम.	—
64	शा. महा., थांवला	डॉ. बी. एन. तिवारी	बी ए., बी. कॉम.	—
65	शा. महा., कुक्षी	श्री संतोष कुमार गोगने	बी. ए., बी.कॉम	—
66	शा. महा., गचोर	डॉ. ए. पी. अवस्थी	बी.ए.	—
67	शा. कन्या महा., जावुआ	डॉ. आर.सी. गंगराड़े	बी. ए	—

5		6	7		8		9	10
529	18	46	116	—	24	—	12661	
654	175	50	26	—	—	1	19530	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से रु. 401862 का अनुदान प्राप्त हुआ
107	11	6	6	—	5	1	2152	अन्य स्रोतों से रु 84057 का अनुदान प्राप्त हुआ
91	10	17	14	1	—	—	2259	
—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	378	23	—	4	—	—	—	वे. अ. वि. वि. के एकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज में तीन शिक्षकों ने भाग लिया
93	39	6	4	1	17	2	2351	—
84	29	4	7	—	39	9	3350	मध्यप्रदेश शासन से रु.236500 का अनुदान प्राप्त हुआ
180	53	7	16	1	74	2	2495	—
15	6	6	—	—	—	—	205	मध्यप्रदेश शासन से रु. 101000 तथा अन्य स्रोतों से रु. 3074 प्राप्त हुए
—	49	6	—	1	—	6	649	मध्यप्रदेश शासन से प्राप्त रु. 83897 का अनुदान प्राप्त हुआ

1	2	3	4	
68	शा. कन्या महा., राजगढ़	श्री टी. एन. सक्सेना	बी.ए.	—
69	शा. कन्या महा., शाजापुर	डॉ. पी. एम. भाले	बी.ए.	—
70	शा. महा., सरदारपुर	डॉ. लाल बहादुर	बी.ए.	—
71	शा. कन्या महा., धार	सुश्री अन्नपूर्णा राय	बी.ए.	—

5	6	7	8	9	10
— 30	3	— —	— —	200	मध्यप्रदेश शासन से रु. 151000 का अनुदान प्राप्त हुआ
— 32	6	— —	— —	216	दे. अ. वि. वि. के एकेडेमिक कॉलेज कार्यक्रम में तीन शिक्षकों ने भाग लिया
25 7	6	2 —	6 2	597	दे. अ. वि. वि के एकेडेमिक कॉलेज में दो शिक्षकों ने भाग लिया
— 114	5	— —	— —	613	एकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज के पाठ्यक्रम में दो शिक्षकों ने भाग लिया

(परिशिष्ट क्रमांक 10)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

सन् 1987–88 (1 जुलाई 1987 से 30 जून 1988 तक) में पी.एच. डी. उपाधि हेतु पंजीयित शोधार्थियों की सूची

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
		अर्थशास्त्र	
		(28-7-87)	
1	श्री दिनेश कुमार सोनी	Industrial Unrest, its causes & remidies in large scale industries of Ujjain.	23.12.86
2	श्री पंकज माहेश्वरी	उज्जैन जिले में सहकारिता आन्दोलन-कृषि साख के सन्दर्भ में	3.4.87
3	श्रीमती सरोज श्रीवास्तव	Waste land Development in Rajgarh District.	28.7.87
4	कुमारी विनीता गुप्ता	भोपाल सम्भाग में लघु उद्योगों का विकास एवम् सम्भावनाएँ	28.7.87
5	श्री इब्राहीम सेरी दिवाशाली	A Comparative study of productivity in India and Iran with special reference to rice and wheat (1975–85).	28.7.87
6	श्री मुरतेजा अब्लाघ निजात	A comparative study of modern agricultural inputs in India and Iran (1965–75).	28.7.87
7	कुमारी जयश्री लड्ढा	उज्जैन सम्भाग में नगर निगमों का वित्तीय अध्ययन	28.7.87
8	कुमारी सोनिया भटनागर	मध्यप्रदेश के कृषि गत विकास में क्षेत्रीय विषमताएँ	28.7.87
9	श्री अरविन्द उपाध्याय	इन्दौर नगरपालिक निगम का वित्तीय अध्ययन	28.7.87
10	श्री नारायण प्रसाद दुबे	Impact of District Credit Plan on the Rural Economy of Ujjain (1978–85).	28.7.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
11	कुमारी प्रमोद भारतीय	मध्यप्रदेश कृषि वित्त में भूमि विकास अधिकोष की भूमिका : राजगढ़ जिले के विशेष सन्दर्भ में	28.7.87
12	कुमारी शुभा शर्मा	एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम का ग्रामीण निर्धनता पर प्रभाव मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के विशेष सन्दर्भ में	28.7.87
13	कुमारी सुनीता सेठ	देवास जिले का औद्योगिक विकास : वर्तमान स्थिति एवम् सम्भावनाएँ	28.7.87
14	कुमारी रेखा वेराडी	देवास जिले के कृषि विकास में बैंकों का योगदान	28.7.87
15	श्री सुनील कुमार सिरसट	उज्जैन सम्भाग में उद्यानिकी (फल, फूल एवम् सब्जी)–उत्पादन एवम् विपणन	28.7.87

मराठी

(11-9-87)

1	कुमारी सुलोचना मोघे	आधुनिक मराठी आणि हिन्दी काव्यातील गूढ़ गुंजनात्मक (रहस्यावादी) काव्याचें तुलनात्मक अध्ययन	11.9.87
2	श्री शोभा टिक्केकर	अरविन्द गोखले याच्यां साहित्याचे मूल्य मापन	11.9.87

हिन्दी

(26-9-87)

1	कुमारी चन्दा तलेरा	विवेकी राय-व्यक्तित्व एवम् कर्तत्व एक अनुशीलन	7.5.87
2	कुमारी मंजीत कौर अरोरा	हिन्दी सूफी काव्यो की प्रबन्ध योजना	17.3.87
3	कुमारी फातिमा बरारवाला	तुलसी काव्य में मर्यादावाद	9.9.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विएय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
4	श्री कौशल किशोर	अज्ञेय की काव्यगत सौन्दर्य चेतना	23.7.87
5	श्री विक्रमजीत	आधुनिक हिन्दी काव्य में राजनैतिक व्यंग्य	29.12.86
6	कुमारी दीप्ति पाल	श्री नरेश मेहता के उपन्यास : एक समीक्षात्मक अध्ययन	28.1.87
7	कुमारी सरला श्रीवास्तव	मुक्तिबोध का गद्य साहित्य एक मूल्यांकन	19.1.87
8	श्री शिवसिंह पतंग	आधुनिक हिन्दी कविता में मध्यप्रदेश के कवियों का योगदान	4.2.87
9	श्री गोविन्दसिंह कुशवाह	कन्हावत : काव्य और दर्शन	—
10	कुमारी किरण शुक्ला	जायसी काव्य के अप्रस्तुत विधान का अनुशीलन	22.8.87
11	श्रीमती आशा इटोरिया	छायावादोत्तर हिन्दी काव्य में प्रणय भावना	8.6.87
12	श्री अरुण कुमार वर्मा	डॉ. भगवतशरण उपाध्याय : व्यक्ति और साहित्य	14.9.87
13	श्री गिरीश कुमार जोशी	आधुनिक राम साहित्य के सन्दर्भ में नरेन्द्र कोहली के राम साहित्य का विशेष अनुशीलन	14.9.87
14	श्री नन्दकिशोर श्रीवास्तव	स्वतंत्रयोत्तर काव्य विधाएँ एवं ध्वनि सिद्धान्त	17.9.87
15	श्रीमती मीरा पाठक	मलिक मोहम्मद जायसी के काव्य में प्रेम और सौन्दर्य	21.9.87
16	कुमारी कमला तिवारी	छाया वादोत्तर हिन्दी कविता के सन्दर्भ में डॉ. शिवमंगलसिंह 'सुमन' का विशेष अध्ययन	24.9.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
17	कुमारी सावित्री गोस्वामी	हरियाणा का लोक साहित्य : एक अनुशीलन	25.9.87
18	कुमारी पारस चौरडिया	स्वतंत्रयोत्तर महिला कथाकारों के उपन्यासों का समाज शास्त्रीय अनुशीलन	25.9.87
19	डॉ कुशचन्द्र राव	जातिय सम्बर्ग और प्रेमचन्द्र तथा उनकी परम्परा का उपन्यास	24.9 87
20	श्री सरोज पटेल	हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में राजनीतिक चेतना	29.9.87

एम. ई. थाय रिसर्च इन इलेक्ट्रोनिक्स इन्जीनियरिंग

(5.10.87)

1	श्री रमन चड्ढा	Supervisory Control & Data acquisition system (SCADA).	5.10.87
		पंजीयन विचाराधीन	

वनस्पति विज्ञान

(4 11.87)

1	कुमारी नाजा चन्द्रन आर	Study on mycotoxins producing fungi in pearlimiuet with reference to factors affecting growth, toxins production and seed deterioration.	18.7.86
2	श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा	Studies on certain aspects of weed problem in Soyabean in Ujjain District.	9.10.86
3	कुमारी सुनीता गौड़	Microbiological studies of sewage applied black cotton soil.	11.9 86
4	श्री बाबूलाल मण्डलोई	Present environmental status of pithampur A new industrial area.	27.10.67
5	श्री देवेन्द्र मोहन कुमावत	Plant response against air pollution with special reference to heavy metals and sulphar-dioxide.	23.12.86

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
6	श्री के विजेन्द्र रेड्डी	Effect of Cement dust pollution on plants in Neemuch-Nimbahera Cement Zone	29.12.86
7	कुमारी रश्मी चतुर्वेदी	Pollutant interaction assay using different systems	28.10.87
8	श्री एम. वेन्कटेश्वरा राव	Air pollution – stress and correlated plant response in Dewas area.	14.10.87
9	श्री हरिश व्यास	A study on evaluation of nitrogen in municipal waste water and its biological control	21.11.86
10	श्री अरूण शर्मा	Microbial population in aquatic system as influenced by herbicides.	3.8 87
11	श्री शंकरषणप्रसाद मिश्र	Physiology and pathology of *Rhizoctonia solani* as affected by herbicides.	2.9 87
12	कुमारी प्रमिला डोंगारिया	Assimilation and transport of nitrogen in Pea & Radish growing in soil amended with sewage and to nic metals.	17.9.87
13	कुमारी चित्रलेखा सोनी	Studies on the factors affecting mycoflora toxin production and control of mycotoxin in maize Kernels.	17.9.87
14	श्रीमती प्रतिमा जोशी	Ecology of waste water of a Dairy plant and its potential for Methane generation and algal growth.	30.10.87
15	कुमारी मन्जुलता जैन	Para sistance of pesticides and their effect on some agroecosystem components	2.11.87
16	श्री रवीन्द्र कुमार शर्मा	Certain studies on effect of light on seed germination in a few species of Acanthaceae,	2.11.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजियन तिथि
17	श्री डी. श्रीनिवास	Effect of lead, manganeese and chelating compounds on some vegetable crops grown in sewage irrigated soil	3.11.87
		भूगोल (11-11-87)	
1	श्री मोहम्मद सईद शेख	Agricultural Development in Kali Sindh Basin A study of constraints, problems and solutions.	11.11.87
2	कुमारी शशिकला परिहार	उज्जैन नगर का धार्मिक भूगोल	11.11 87
3	श्री राम स्वरूप राठौर	Changing pattern in cultural land scape of Bhils region in M. P.	2.11 87
4	श्री राजाराम गोरास्या	इन्दौर : आकृतिकी एवम् जनसंख्या परिवर्तन का अध्ययन	11.11.87
		इतिहास (12-11-87)	
1	श्रीमती विनिता सिन्हा	ब्रिटिश कालीन मध्य भारत (मालवा) क्षेत्र में शिक्षा का विकास (1857–1947)	12.11 87
2	कुमारी रंजना व्यास	स्वामी विवेकानन्दा (1863-1902)	12 11.87
3	कुमारी गीता कौर मुल्लर	सिक्ख, आँग्ल सम्बन्ध-एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण (आरम्भ से 1939 तक)	12.11.87
4	कुमारी वन्दना तलेगांवकर	भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में पश्चिमी मध्यप्रदेश का योगदान (1857 से 1947)	12.11.87
5	कुमारी मंगला ठाकुर	पूर्व सडवानी राज्य का इतिहास (1650 ई. से 1947 तक)	12.11.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध आ शीर्षक	पंजीयन तिथि
6	श्री सुखेन्द्रसिंह पंवार	दि नास्ट डिकेट ऑफ इण्डियन नेशनल मूव्हमेन्ट	12.11.87
7	श्रीमती मलिका खान	जावरा राज्य-एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण (1818 ई. से 1947 तक)	12.11.87
8	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	पूर्व मध्यभारत में पुलिस प्रशासन और उसका विकास (1858 से 1947 ई तक)	12.11.87
		Geology (20-11-87)	
1	Shri V. Pradeep Kumar	Petrological and Geochemical studies of the selected lava flows of Pawagadh hill, Gujrat State.	5.6.85
2	Shri K. R. Hari	Minerological and fluid inclusion : studies of primary constituents of the mafic and ultramafic rocks of Pawagadh hill (Decan Traps) Gujrat.	14.9.87
3	Shri Shekhar Sharma	Petrology of Igneous complex around Alech hills, Kathiawar, Gujrat.	20.10.87
4	Shri Sukomal Ghosh	Petrology of the acid lavas of Pavagadh hill, Gujrat.	1.4.87
5	Shri C. Shanti swaroop Reddy	Integrated remote sensing for the inventory and management of mineral and water resources of parts of Western Madhya Pradesh.	27.4.87
6	Km. Swati Sathe	Geology of Kauchar Iron-ore deposits and impact of mining on the environment of Mahamaya, District-Durg. M.P.	13.1.87
7	Km. Vinita Bhatnagar	Pattern of sedimentation of Gohgwana Rocks around Rakhi Coal Mines of Kanhan Valley, District Chhindwara, M. P.	24.4.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
8	Km. Sandhy Umak	Study of Geology and Geomorphic evaluation of land forms- around Chikhalda-Gawilgarh region of Amrawati District Maharashtra.	18.6.88
9	Shri Rajesh Prasad Awasthi	The study of Geology and impact of Coal mining on the environment in part of Singrauli Coal field.	15.7.87
10	Shri Udaibhan Singh Parihar	Hydro Geological studies of Tons Basin of Sw of Maihar (M. P.).	8.10.87
11	Shri Sanjay Kumar patel	Hydro Geological studies of the area around Ujjain with special reference to its contamination.	9.11.87
12	Shri Pramod Kumar Verma	Great Boundry Fault of Rajasthan its evolution, age and the nature of neotectonic movements.	10.11.87
13	Shri Suresh Kumar Krishnami	Pollution of Ground water around Indore city (M. P.).	11.11.87

संगीत

(1-12-87)

1	श्रीमती सीमा परवीन	गज़ल के संगीत का विश्लेषणात्मक अध्ययन	1.12.87
2	श्रीमती संध्या महाजन	उस्ताद रजबअली खाँ : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	1.12.87
3	श्रीमती सुमन मुले	मालवा जनपद में भजन शैली की गायन परम्परा	1.12.87
4	श्री इब्राहीम कासीम अली	पद्मभूषण उस्ताद अमीर खाँ व्यक्तित्व एवम् कृतित्व	1.12.87
5	श्रीमती अश्विना रांगणेकर	मराठी नाट्य संगीत में बाल गन्धर्व की भूमिका, एक विवेचनात्मक अध्ययन	1.12.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
6	कु. अंधा यामी	भारत में तंत्रवाद्यों का विकास एवम् परम्परा	1.12.87
7	कु. सुभांगी जोशी	श्री मल्ल लक्ष संगीतकार विष्णु नारायण भातखण्डे : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व	1.12.87
		Physics	
		(5.12.87)	
		D. Sc.	
1	Dr. Sant Ram	A study of some aspects of Renewable sources of Energy with special reference to wood, biogas and solar.	
		Ph. D.	
1	Km. Priti Gadkari	Some aspects of wave instabilities in solid state plasmas.	9.12.85
2	Shri Rashmikant Sanghvi	Nonl inear Interactions of Electro magnetic waves with semi conducting plasmas.	16.12.86
3	Shri Gopal Dev Gupta	Some Investigations in X-Ray spectra of coper and cobalt complexes.	6.6 87
4	Shri Vinod Kumar Gupta	Theory of Positron Annihilation in bolid and surfaces.	4.7.87
5	Smt. Majula Jain	Study of mechanical behaviour of Polycrystalline sclids.	16.7.87
6	Smt. Nalini Ganoo	X-Ray structural analysis of somebiological molecuior and antibacterial and analgestic Rasayans (Drugs).	28.9 87
7	Shri Pankaj Singh	Thermodynamic analysis of some physical properties of solid materials.	3.12.87
8	Shri Sanjay Bhargava	Plasmas effects in semiconductors waves and instabilities.	3.12.87
9	Km. Sangeeta Goyal	A study of Electrical properties of some materials	4.12.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
		Zoology (7.12.87)	
1	Shri Hatimali F. Haidery	Studies on the possibilities of improving thermostability of rinderpest vaccine.	15.6.87
2	Shri Otim Jusper Charles	Effect of certain vitamins on the immune response and pathegenicity of mice experimentally infected with the dog hookworm.	2.3.87
3	Shri Sesha Tapasal Gurram	Studies on some aspects of immunological, biochemical and chemotherapeutic effect of hookworm in golden hamsters (Nesocricetus-Auratus).	
4	Smt. M. N. Rukmani	Effect of cadmium toxicity on certain organs (Kidney, liver and gills) of a fresh water teleost and their recovery in relation to his topathological lesions.	4.1.87
5	Km. Usha Choubey	Studies on Physio-chemical and biological Parameters of Gandhi-Sagar Reservoir, Mandsaur District, M.P.	23.3.87
6	Shri Rajendra Kumar Dubey	Studies on fish energetics with reference to growth in some local catfish population.	30.11.87
		Mathematics (11.12.87)	
1	Km. Nidhi Mehrotra	A contribution to the Approximation Theory	27.11.86
2	Km. Radha Rani Tripathi	Some problems on the Approximation of Functions by ultra-spherical series on sphere.	7.11.86
3	Km. Sunita Gupta	Laguerre series and Approximation of Functions.	12.12.86
4	Km. Vandana Gupta	A Study of Approximation of Functions by its Fourier expansions.	12.12.86

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
5	Shri Virendra Kumar Gupta	A study in the degree of Approximation of Functions by Fourier Orthogonal expansions.	26.6.86
6	Km. Maneesha Chourey	A study of Approximation of a Function by its Fourier Legendra expansions.	4.2.87
7	Shri Girja Shankar Trivedi	A study in the theory of Approximation by ultraspherical series.	8.8.85
8	Shri Yousef Jalali Bazti	A study in the Approximation of Functions by its Fourier ultra-spherical series in Banach Spaces.	12.12.86
9	Shri Satish Chandra Patidar	On some summability problems under Legendra and laplace series.	24.11.87
10	Shri Rajeev Pandya	Approximation of Functions by Legendre series and their applications.	27.11.87
11	Shri Rajendra Kumar Tiwari	A study in summability of Fourier Bessel series.	28.11.87

शिक्षा

(21-12-87)

1	श्री गंगाधर पण्डा	Survey of Sanskrit Educational System in Orissa State.	21.12.87
2	कुमारी सुमन श्रीवास्तव	बड़वाह तेहसील के हाई स्कूलों के विद्यार्थियों में नागरिक मूल्यों के विकास मे नागरिकशास्त्र अध्यापन की प्रभावशीलता का अध्ययन	21.12.87
3	श्रीमती प्रेम छाबड़ा	Impact of the programme of Moral Education on non-scholastic aspect of primary-school learners behaviour	21.12.87

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवम् पुरातत्व

(8-2-88)

1	श्री अहमद अली	Kachchhapa ghata Art in Central India.	30.11.87

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
2	श्री गणेशकुमार असंगे	मध्यप्रदेश की प्राचीन अर्थ व्यवस्था (600 ई. पूर्व से 1300 ई. तक)	17.1.86
3	श्री महेशकुमार श्रीवास्तव	कायस्थों का ऐतिहासिक सर्वेक्षण प्रारम्भिक काल से 18वीं शताब्दी तक	23.7.87
4	कुमारी सुनन्दा शास्त्री	उत्तर भारत की भैरव प्रतिमाओं का सामाजिक अध्ययन (आरम्भ से बारहवीं शताब्दी तक)	5.10.87
5	श्री धीरेन्द्रसिंह सोलकी	धार जिले का पुरातत्व-एक समालोचनात्मक अध्ययन (छठी शताब्दी ई. पूर्व से तेरहवीं शताब्दी ई. तक)	20.11.87
6	श्री विद्या जोशी	अभिलेखीय साक्ष्य के आधार पर पश्चिमी प्रदेश का सांस्कृतिक इतिहास (300 ई. पूर्व से 700 ई. तक)	4.2.88
		समाजशास्त्र (5-5-88)	
1	श्री सत्यनारायण जटिया	ग्रामीण जीवन के अभिषाप-जनसंख्या, अशिक्षा, अन्ध विश्वास, स्वास्थ्य, कुपोषण, कर्ज, शराब और न्यायालयीन विवाद (उज्जैन जिले के ग्रामों के सर्वेक्षण पर आधारित समाजशास्त्रीय अध्ययन	5.5.88
2	श्री चन्द्रशेखर बाभाड़े	राष्ट्रीय सेवा योजना एवम् ग्रामीण समुदाय-एक समाजशास्त्रीय अध्ययन उज्जैन जिले के परिप्रेक्ष्य में	5.5.88
3	श्रीमती कल्पना कोठारी	खरगोन जिले के आदिवासियों के सामाजिक जीवन पर शिक्षा का प्रभाव पश्चिमी निमाड़ के सन्दर्भ में	5.5.88
4	श्री सतीशचन्द्र उपाध्याय	मन्दसौर जिले के ग्रामीण कृषि श्रमिकों के सामाजिक एवम् आर्थिक समस्याओं का अध्ययन	5.5.88

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
5	कुमारी श्रद्धा व्यास	कालिदास के महाकाव्य में चित्रित नारी का समाजशास्त्रीय अध्ययन	5.5.87
6	श्री शैलेन्द्र पाराशर	महाविद्यालयीन शिक्षकों के बदलते हुए मूल्य-एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (विक्रम विश्वविद्यालय क्षेत्राधिकार के विशेष सन्दर्भ में)	5.5.88
7	कुमारी अनिता मिश्रा	आदिवासी क्षेत्रों में बाल विकास परियोजनाओं का समाज शास्त्रीय अध्ययन	5.5.88
8	श्री सतीश सावडकर	औद्योगीकरण का भील समुदाय पर सामाजिक, आर्थिक प्रभाव – विशेष सन्दर्भ : पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र	5.5.88
9	श्री हरिमोहन बरुआ	विक्रम विश्वविद्यालयीन क्षेत्रान्तर्गत उज्जैन सम्भाग में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्रों की समस्याओं का समाजशास्त्रीय अध्ययन	5.5.88
10	श्री रमेश गेहलोत	जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम में महाविद्यालयों की भूमिका एवं इस कार्यक्रम से सम्बन्धित समस्याओं का समाजशास्त्रीय अध्ययन	5.5.88
11	श्री नगेन्द्रकुमार समाधिया	म.प्र. में कंजर जनजाति का समाजशास्त्रीय अध्ययन (उज्जैन जिले के कंजरों के विशेष सन्दर्भ में)	5.5.88
		गृह-विज्ञान (26.5.88)	
1	कुमारी साधना गंगराड़े	बालक के लिंग के सन्दर्भ में पालन पोषण की विधियाँ एवं व्यक्तित्व	26.5.88
2	कुमारी इन्दु करमपुरिया	इन्दौर सम्भाग के एकीकृत बाल विकास सेवा योजना से प्रदत्त क्षेत्र के बच्चों के स्वास्थ्य एवम् पोषाहार स्तर की तथा माताओं के स्वास्थ्य एवम् पोषाहार शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन	26.5.88

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
3	कु. तृप्ति दुबे	National measures to improve the nutritional status of the pre-primary children.	26.5.88
		अर्थशास्त्र (30.5.88)	
1	कु. सुषमा गादिया	भारतीय जीवन बीमा निगम एक वित्तीय अध्ययन (इन्दौर मण्डल के विशेष सन्दर्भ में)	23 12.87
2	श्री राजेन्द्र कुमार जैन	उज्जैन संभाग में लघु उद्योगों का विकास तथा सम्भावनाएँ एक अध्ययन	30.5.88
3	श्री भुवेनन्द्रन पी.	Impact of long term financing of land Development Banks on the Tribal Economy of M. P. (with special reference to west Tribal Zone.)	30.5.88
4	श्री मनोहर जैन	उज्जैन सम्भाग के लघु उद्योगों के विकास में मध्यप्रदेश वित्त निगम का योगदान–एक आर्थिक विश्लेषण	30.5.88
5	श्री मदनलाल गांगले	खरगोन जिले के हरिजन-आदिवासी कल्याण योजनाओं का क्रियान्वयन एक मूल्यांकन	30.5.88
6	श्री राधेश्याम वरवनिया	रतलाम जिले के कृषि विकास में भूमि विकास बैंक की भूमिका	30.5.88
7	श्री जगदीशचन्द्र पंवार	भारत में आयकर 1970–1987	30.5.88
8	कु. नीना अग्रवाल	मध्यप्रदेश में भूमि प्रयोग एवं फसल ढाँचा – मन्दसौर जिले के सन्दर्भ में विशेष अध्ययन (1951 से 1986)	30.5.88
9	श्री रामनारायण कश्यप	मध्यप्रदेश में केन्द्रीय सहकारी बैंकों की साख नीति एवं क्रियान्वयन एक समीक्षात्मक अध्ययन	30.5.88

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
10	श्री रमेशचन्द्र राठौर	प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक मध्यप्रदेश के विशेष सन्दर्भ में	30.5.88
11	श्रीमती ज्योत्सना तिवारी	पांचवी एवम् छठी पञ्चवर्षीय योजना अवधि में इन्दौर जिले के औद्योगिक विकास का रोजगार तथा उत्पादन पर प्रभाव	30.5.88
12	श्रीमती शकुन्तला गोयल	कोटा जिले के औद्योगिक विकास का रोजगार तथा उत्पादन पर प्रभाव (1975-1985)	30.5.88
13	श्री सरोज कुमारी मुखर्जी	Emperical issues in total productivity measurement and rationale for productivity linked intensive systems in public sector Enterprises in M. P. (With special reference to capital and labour).	24.11.87
14	श्रीमती बनश्री हलदर	A study of Ancillary Industries for rural use in Madhya Pradesh.	24.11.87
15	कुमारी अंजना जैन	मध्यप्रदेश में विक्रय-कर-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (देवास जिले के विशेष सन्दर्भ में)	30.5.88
16	कुमारी कुशल जैन	मध्यप्रदेश के उज्जैन एवं देवास जिलों में कार्यशील महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक स्थिति	30.5.88
17	श्री अमरसिंह बायस	रतलाम जिले के कृषिक्षेत्र में संस्थागत साख-सीमान्त कृषकों के विशेष सन्दर्भ में	30.5.88
18	श्री सनतकुमार जैन	मध्यप्रदेश के आदिवासी एवम् गैर आदिवासी क्षेत्रों में कृषि विकास	30.5.88
19	श्री सचिनकुमार गोयल	मध्यप्रदेश में श्रमजीवी पत्रकारों की आर्थिक स्थिति का विश्लेषण	30.5.88

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
20	कु. अर्चना सेठी	'भारतीय निर्यात व्यापार में संरचनात्मक परिवर्तन मध्यप्रदेश के सन्दर्भ में विशेष अध्ययन'	30.5.88
21	श्री देवेन्द्र जोशी	मध्यप्रदेश की कार्यात्मक शिक्षा पढ़ो और कमाओ योजना का आर्थिक मूल्यांकन	30.5.88

व्यावहारिक अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रबन्ध (वाणिज्य)

21.6.88

1	श्री संजीवकुमार शर्मा	"Management of finances of selected Madhya Pradesh Government Public Enterprises".	26.6.87
2	श्री राजीव वैद्य	"A Study of marketing of Pharmaceutical Products of I. B. P. L. and H. A. L.".	19.11.87
3	श्री सुदर्शन जैन	"Financial Management in Soya Industry in Madhya Pradesh, with special reference to management of costs, pro-fits and dividents".	4.4.87
4	श्री मनोजकुमार शिवारी	म. प्र. के औद्योगिक लोक निगमों के प्रबन्ध, कार्यप्रणाली एवं उपलब्धियों का विवेचनात्मक अध्ययन	6.1.88
5	श्री प्रकाशकुमार जैन	उज्जैन सम्भाग में औद्योगिक सहकारिताएँ	23.3.88
6	कु. कुशलता चडढा	रतलाम जिले की औद्योगिक विकास में सहकारिता का योगदान	15.1.88
7	श्री अनिल कुमार शिवानी	झाबुआ जिले की नगर पालिकाओं की वित्त व्यवस्था	4.12.86
8	श्री रामेश्वर राठौर	खरगोन जिले की कृषि अर्थशास्त्र में सहकारी बैंकों का योगदान	11.1.88

क्र.	शोधार्थी का नाम	विषय/शोध का शीर्षक	पंजीयन तिथि
9	श्री पूरालाल पाटीदार	मध्यप्रदेश के जलाशयों में मत्स्य उत्पादन एवं विपणन	21.6.88
10	श्री दिनेश जैन	उज्जैन जिले में सहकारी अधिकोषण का कृषि में योगदान	21.6.88
11	श्री नदीम खान	उज्जैन जिले में सहकारी अधिकोषण औद्योगिक विकास में योगदान	21.6.88
12	श्री राजेन्द्रकुमार लोया	मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास में वित्तनिगमों का योगदान	21.6.88

परिशिष्ट क्रमांक 8

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

1 जुलाई 1987 से 30 जून 1988 तक डी. लिट् एवं पीएच. डी उपाधि प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की सूची

क्रमांक	नाम	विषय	शोध का विषय
		डी. लिट्	
		हिन्दी (कला)	
1	डॉ. रविन्द्र भारती		पौरस्त्य एवं पाश्चात्य सौन्दर्य शास्त्रीय आलोक में स्वातंत्रोत्तर हिन्दी कविता का अनुशीलन ।
		राजनीति विज्ञान	
		(सा. विज्ञान)	
2	डॉ. श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव		Measurement of Political Efficacy among Indian students and its effects upon Political system.
		पीएच. डी.	
		हिन्दी	
3	श्रीमती कोमल जैन		नई कविता के संदर्भ में सर्वेश्वर दयाल सक्सेना एक साहित्यिक अनुशीलन ।
4	श्रीमती मंजुकला जैन		भारतीय जीवन मूल्यों के संदर्भ में वीरेन्द्र कुमार जैन के साहित्य का अनुशीलन ।
5	श्रीमती प्रीति जोशी		हिन्दी के क्रान्तिकारी उपन्यासों का अनुशीलन मन्मथनाथ गुप्त के विशेष सन्दर्भ में ।
6	कुमारी प्रेमलता गांधी		नरेश मेहता के उपन्यासों का सांस्कृतिक अनुशीलन ।
7	कुमारी साधना निर्भय		हिन्दी के मुसलमान कवियों के कृष्ण काव्य का अनुशीलन ।

क्रमांक	नाम	विषय	शोध का विषय
		अंग्रेजी	
		कला	
8	श्री ए. एम. महाशब्दे		"The theme of disintegration in Indo-Anglian Fiction"
9	श्री आर. डी. मेहता		William Hazlitt as a Critic.
		मराठी	
10	श्रीमती निशा मोहिते		वसन्त कानेटकराच्या साहित्याचे टीकात्मक विवेचन ।
		दर्शन	
11	साध्वी मुक्तिप्रभा		जैन धर्म में योग-एक आलोचनात्मक अध्ययन ।
12	साध्वी दिव्य प्रभा		अरिहन्त तत्व – एक अलोचनात्मक अध्ययन ।
		राजनीति विज्ञान	
		(सा. विज्ञान)	
13	श्रीमती विजय खेरा		उज्जैन संभाग में नगर पालिकाओं एवं नगर निगमों का राजनैतिक एवं आर्थिक पहलुओं का अध्ययन ।
14	कु. सुलभा धाड़गे		भारतीय राजनीति में राज्यसभा की भूमिका ।
15	श्री बी. आर. मण्डलोई		भारत का स्वाधीनता आन्दोलन और मजदूर संघटन ।
16	कु. रश्मि तिवारी		भारत सोवियत सम्बन्ध । (सन् 1971 के उपरान्त 1987 तक)
17	श्री. आर. के. पान्डेय		भारतीय प्रजातांत्रिक प्रक्रिया के प्रति नागरिकों के असंतोष का परिमापन ।
18	श्री नरेन्द्रकुमार ओझा		विश्व राजनीति में असंलग्न राष्ट्रों की भूमिका एशिया के विशेष संदर्भ में ।

क्रमांक	नाम	विषय	शोध का विषय
19	श्री ज्ञानवर्धन पाठक		केन्द्र राज्य सम्बन्ध—म. प्र. के विशेष संदर्भ में ।
20	श्रीमती सुमन तिवारी		भारतीय राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियां ।
		अर्थशास्त्र	
21	श्री. टी. एस. खान		देवास जिले में सहकारी समितियों का एक आर्थिक अध्ययन ।
22	श्री अजयलाल		म. प्र. में आर्थिक एवं सामाजिक संरचना का प्रजनन दर से सम्बन्ध (शाजापुर जिले के संदर्भ में) ।
23	श्री अतुललाल		उत्पादन, आय तथा रोजगार पर कृषि विकास का प्रभाव—शाजापुर जिले के विशेष संदर्भ में ।
24	श्री बद्री प्रसाद द्विवेदी		म. प्र. में प्रजनन दर और सामाजिक आर्थिक स्थिति का अध्ययन (मन्दसौर जिले के विशेष संदर्भ में) ।
25	श्री एन. सी. जोशी		जिला सहकारी भूमि विकास बैंक शाजापुर का एक विशेष अध्ययन ।
		समाजशास्त्र	
26	श्री यशपाल व्यास		समकालीन नागरीय पर्यावरण में ब्राह्मण समाज (इन्दौर नगर के औदिच्य ब्राह्मण समुदाय के सर्वेक्षण पर आधारित) ।
27	श्री आर. के. श्रीवास्तव		"Social & Economic consequences of the impact of coal mines on the Kawar Tribe in Madhya Pradesh."
		भूगोल	
28	श्री विमलचन्द जैन		Bundi District A study of Habitat,

क्रमांक	नाम	विषय	शोध का विषय
		इतिहास	
29	श्री मदनलाल पंवार		महामना पं. मदनमोहन मालवीय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व ।
		गृह विज्ञान	
30	श्रीमती चन्द्रकला सराफ		चयन किये गये विद्युत एवं अविद्युत उपकरणों का तुलनात्मक अध्ययन (उज्जैन नगर के संदर्भ में समय मूल्य एवं गति को ध्यान में रखते हुये प्रत्यक्ष शोध)
		रसायन (विज्ञान)	
31	कु. मधु पोरवाल		"Chemical Investigations of Medicinally and Economically Important Plants Regionally available in Malwa and Nimar."
32	श्री व्ही. एस. वर्मा		"Investigations on some biologically important mixed ligand complexes of amino acids & peptides with Zn (ii) Cu (ii) ions."
33	श्री एच. एल. दुबे		Kinetics & Mechanism of the oxidation of some diols by N. Bromo benzamide.
34	श्री व्हाय. आय. कात्रे		A Kinetic study of oxidation of some amino acids by chloramine T in micellar system.
35	श्री आर. पी. दुबे		"A Kinetic study on the Oxidation of some Ketones by N. Brombenzaide."
36	श्री वी के सिरिहा		"Kinetic & Mechanistic study in the oxidation of primary alcohols by N. Bromobenzamide."
		भौतिकी	
37	श्री आतुतोष मिश्रा		**Some Studies** in the X-rays **absorption Spectra.**

क्रमांक	नाम	विषय	शोध का विषय
38	श्री अरविन्दचन्द्र घरिया		Some Studies in the X-ray Spectra.
39	श्री एन. सी. अग्रवाल		"Study of Reactive & non-reactive elastic collusion in Molecular systems.
40	श्री एस. एम. पाठक		"Acoustic wane interactions in solid state plasma."
		गणित	
41	श्री आर. के. जायसवाल		"Almost periodic function."
		भौमिकी	
42	श्री ए. ए. खान		Geomarphic Evaluation an Quarternary Sedmentation in upper Ganga Basis, Garhwal Himalaya, U. P
43	श्रीमती संध्या तिवारी		"Comparative study of chromite Deposits of Bihar and Orissa with sepecial ref. to Petromineralogy ore Genesis and Mineral Economics"
		वनस्पति विज्ञान (जीव विज्ञान)	
44	श्री नरेन्द्रकुमार जैन		Studies on rough leaf spot Disease caused by Ascochyta SPP. on Sorghums Bicolor (L,) Moench.
45	कु. ललिता श्रोत्रिय		"Study of water pollution and irrigational used the Polluted water in Ratlam area"
46	श्री जी. एस. ओबेराय		"Water pollution studies and utilization of the polluted water for irrigation in Dewas area."
47	श्री जी. के. श्रीवास्तव		Effect of sewage slugde applications & sewage enriched cadinium and zincs on three varieties of Abelmoschus esculentus (L.)."

क्रमांक	नाम	विषय	शोध कार्य विषय
48	कु. शशिकला जैन		"Effect of dust pollution on Opium poppy and wheat of Mandsaur Distt."
		प्राणिकी	
49	श्री आशीष व्यास		"Studies on the Physiology on uriation in Multivaltine race of silk worm Bombyx Mori L."
50	श्री एम. एम. चौहान		"Histological and Physiological studies on the Pineal organ of certain teleosts under different environmental conditions."
51	श्री के. एन. करथा		"Studies on Experimental Trawl Fishing in Gandhi Sagar Reservoir, Mandsaur Distt."
52	कु. रीता जैन		"Studies on the respiratory system of certain terrestrail insects"
		विधि	
53	श्रीमती सरोजनी सक्सेना		"The legal position of the Child under Criminal law."
		वाणिज्य	
54	श्री विनयकुमार राणा		म. प्र के कल्याणकारी एवं ग्रामोन्मुखी सार्वजनिक व्यय (1956-57 से 1983-84
		एम. ई. (सिविल) शोध द्वारा यांत्रिकी	
55	श्री विकास गंधे		Numercal Experimentation some problems of unsymmetrical Bendings.

D 6007
11-4-91

NIEPA DC
D06007